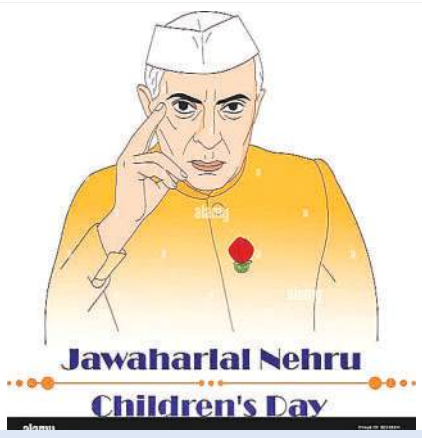
मंडला, जबलपुर, कटनी, भोपाल, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

• वर्ष- 15अंक-174 • मंडला • शनिवार, 14 नवम्बर , 2026 • मूल्य- 2 रुपए • पृष्ठ-8 • कार्तिक शुक्ल पक्ष 5 •



काजीरंगा के पास भीषण सड़क हादसा

मिनी बस -कंटेनर भिड़े, 23 की मौत, 20 घायल





काजीरंगा, एजेंसी। असम में काजीरंगा नेशनल पार्क के पास शुक्रवार को भीषण सड़क हादसे में 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 अन्य घायल हो गए। हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-715 पर कोहोरा रेंज के अंतर्गत रंगाजन इलाके में हाथीकुली टी एस्टेट के पास हुआ। यहां यात्रियों से भरी एक मिनी बस और कंटेनर ट्रक के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और कई यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस और बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

टक्कर इतनी भीषण थी कि मिनी बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और कई यात्री बस के अंदर ही फंस गए। राहत एवं बचाव दल ने बस को काटकर शवों को बाहर निकाला। शुरुआती जानकारी के मुताबिक बस में 35 से अधिक लोग सवार थे। मृतकों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। गोलाघाट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक स्वप्निल डेका ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई थी। शुरुआत में 20 लोगों की मौत की जानकारी सामने आई थी, लेकिन राहत एवं बचाव कार्य के दौरान मृतकों की संख्या बढ़कर 23 हो गई। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। कोहोरा मॉडल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल लोगों को बोकोखात और गोलाघाट के अस्पतालों में भेजा गया। कुछ घायलों को बेहतर उपचार के लिए जोरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे में कई कॉलेज के छात्र भी प्रभावित हुए हैं। बताया गया कि छात्र अपनी कक्षाएं समाप्त होने के बाद लौट रहे थे, तभी उनकी बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जानकारी मिलते ही असम के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री अतुल बोरा घटनास्थल पर पहुंचे। वह इसी क्षेत्र के विधायक भी हैं। उन्होंने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया और अधिकारियों से घायलों के उपचार तथा बचाव अभियान की जानकारी ली। पुलिस के अनुसार दुर्घटना की प्रारंभिक जांच में मिनी बस की तेज रफ्तार सामने आई है। काजीरंगा नेशनल पार्क के आसपास वाहनों की गति को लेकर प्रतिबंध लागू हैं। आशंका है कि मिनी बस इन प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए तेज गति से चल रही थी। इसी दौरान चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और बस सामने से आ रहे कंटेनर ट्रक से जा भिड़ी।



23 वाहनों में लगी आग, 3 भारतीय समेत 14 की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के फुजैराह के पास भीषण सड़क हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 अन्य घायल हो गए। मृतकों में भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। हादसा उस समय हुआ, जब एक बेकाबू ट्रक ने कई वाहनों को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कई गाड़ियों में आग लग गई और देखते ही देखते लपटों ने आसपास मौजूद वाहनों को भी अपनी चपेट में ले लिया। यूएई के आंतरिक मंत्रालय के मुताबिक, हादसा गुरुवार आधी रात से कुछ देर पहले पूर्वी अमीरात की ओर जाने वाली सड़क पर हुआ। उस समय यातायात धीमा था और कई वाहन आगे बढ़ने के लिए इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान एक ट्रक ने आगे चल रहे वाहन को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इसके बाद पलटा हुआ ट्रक सड़क पर धीमी गति से चल रहे और रुके हुए कई वाहनों से जा भिड़ा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहनों में आग लग गई। आग तेजी से फैलने के कारण कई लोग गाड़ियों के भीतर फंस गए। हादसे में पांच ट्रकों सहित कुल 23 वाहन शामिल थे। आग लगते ही घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस, पैरामेडिकल और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं। बचाव दल ने आग पर काबू पाने के साथ वाहनों में फंसे लोगों को बाहर निकाला। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

छठ महापर्व शुरू

40 लाख श्रद्धालु बिहार लौटे 16 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य



नई दिल्ली,यशभारत। लोक आस्था का महापर्व छठ शुक्रवार से नहाय-खाय के साथ शुरू हो रहा है। चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व में व्रती भगवान सूर्य और छठी मैया की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करेंगे। पर्व का समापन 16 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ होगा। छठ को लेकर बिहार से लेकर दिल्ली, उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश तक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। घाटों की साफ-सफाई, सजावट और सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं।

छठ पर्व को लेकर देश के अलग-अलग राज्यों में रहने वाले बिहार के लोगों की घर वापसी का सिलसिला जारी है। दावा किया जा रहा है कि देशभर से करीब 40 लाख लोग बिहार लौट चुके हैं। पटना जंक्शन सहित राज्य के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर पिछले पांच दिनों से यात्रियों की भारी भीड़ देखी जा रही है। गुजरात के सूरत से ही दो दिनों में करीब 60 हजार लोग अपने गृह नगरों के लिए रवाना हुए हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए गुजरात से 43 विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। हरियाणा के अंबाला कैंट सहित कई रेलवे स्टेशनों पर भी यूपी और बिहार जाने वाले यात्रियों की भीड़ उमड़ रही है।

दिल्ली में इस बार छठ पूजा के लिए मूनक नहर के दोनों किनारों पर करीब 11 किलोमीटर लंबा विशाल घाट विकसित किया गया है। गुरुवार को भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने इसका उद्घाटन किया। दिल्ली सरकार ने छठ पूजा के अवसर पर 16 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। इस दिन सरकारी कार्यालयों, स्वायत्त निकायों और सार्वजनिक उपक्रमों में छुट्टी रहेगी। वहीं उत्तर प्रदेश सरकार ने छठ पूजा के अवसर पर 15 और 16 नवंबर को ऐच्छिक अवकाश घोषित किया है। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में भी छठ पूजा को लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं। यहां छोटे-बड़े 54 घाटों पर श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्थाएं की गई हैं। बड़े तालाब के शीतलदास घाट सहित विभिन्न जलाशयों पर व्रती सूर्य को अर्घ्य देंगे। देश के अलग-अलग हिस्सों में रह रहे पूर्वांचल और बिहार के परिवारों में भी पर्व को लेकर उत्साह का माहौल है।

मणिपुर में उग्रवादियों की अंधाधुंध फायरिंग

दो महिलाओं समेत 4 की मौत

उखरुल, एजेंसी। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार को उग्रवादियों ने दो वाहनों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस हमले में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया है

पुलिस के मुताबिक, वारदात इम्फाल-उखरुल मार्ग पर न्यू हेवन इलाके में हुई। हमले के दौरान दोनों वाहनों में सवार लोगों को निशाना बनाया गया। फायरिंग इतनी भीषण थी कि वाहनों के आगे के शीशों पर गोलियों के निशान मिले हैं। मृतकों में दो पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं।इस घटना से एक दिन पहले भी मणिपुर के दो इलाकों में गोलीबारी की घटनाएं सामने आई थीं। कांगपोकपी जिले के ताफोउ कुकी गांव और सेनापति जिले के कैलेंगजांग के पास हुई फायरिंग में 42 वर्षीय एक कुकी महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जबकि दो पुरुष घायल हुए थे। लगातार हो रही हिंसक घटनाओं ने पहाड़ी जिलों में सुरक्षा व्यवस्था और सामुदायिक तनाव को लेकर चिंता बढ़ा दी है।इस साल फरवरी से अब तक पहाड़ी जिलों में कुकी और नागा समुदायों के बीच हुई झड़पों में कम से कम 50 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, मई 2023 में घाटी के मैतेई और पहाड़ी क्षेत्रों के कुकी समुदायों के बीच शुरू हुए जातीय संघर्ष का असर अब तक बना हुआ है। इस संघर्ष में अब तक कम से कम 306 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 49 लोग लापता बताए गए हैं। हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर विस्थापित होना पड़ा है।

मेट्रो में आम यात्री की तरह सफर पर निकले पीएम मोदी, काउंटर से खरीदा



बेंगलुरु, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कर्नाटक दौरे के दौरान बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने मेट्रो स्टेशन के टिकट काउंटर से खुद टिकट खरीदा और मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ मेट्रो में सफर किया। प्रधानमंत्री ने राज्य में करीब 15,600 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शुभारंभ भी किया। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु अब 100 किलोमीटर से अधिक मेट्रो नेटवर्क वाला देश का तीसरा शहर बन गया है। शाम को प्रधानमंत्री ने मैसूरु में कॉसमॉस प्लेनेटोरियम का उद्घाटन किया इससे पहले प्रधानमंत्री ने प्रशांति कुटीरम के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि कर्नाटक सदियों से योग और आध्यात्मिक साधना का प्रमुख केंद्र रहा है। इस धरती ने अनेक योग गुरुओं और विद्वानों को जन्म दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन और संतुलित समाज का आधार है।प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में रेलवे, ऊर्जा सुरक्षा और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में केंद्र सरकार की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे अब गुलामी की सोच को पीछे छोड़कर आधुनिक सुविधाओं की ओर बढ़ रहा है। कर्नाटक के 60 से अधिक रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किया जा चुका है। इन स्टेशनों पर यात्रियों को एयरपोर्ट जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। ऊर्जा सुरक्षा का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि खाड़ी देशों में युद्ध जैसी परिस्थितियों के दौरान भारत को ऊर्जा क्षेत्र में पिछले एक दशक में उठाए गए कदमों का लाभ मिला है।

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर फोन टैपिंग का आरोप, फिर दी बहस की चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर उनका फोन टैप कराने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर आयोजित आस्क मी सेशन में राहुल गांधी ने अपना मोबाइल फोन दिखाते हुए दावा किया कि विदेशी फंडिंग और देश विरोधी गतिविधियों से जुड़े आरोपों के सबूत उनके फोन में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जानते हैं कि उनका फोन टैप कराया जा रहा है। राहुल ने एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी को आमने-सामने बहस की चुनौती देते हुए कहा कि यदि दोनों के बीच सीधी बातचीत हो जाए तो नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे। पिछले 12 दिनों में यह सातवीं बार है, जब राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को सार्वजनिक बहस की चुनौती दी है।



इंस्टाग्राम सेशन के दौरान एक यूजर ने राहुल गांधी से पूछा कि प्रधानमंत्री मोदी आरोप लगाते हैं कि उन्हें विदेश से मदद मिल रही है, जबकि राहुल गांधी का कहना है कि प्रधानमंत्री विदेशी ताकतों के इशारे पर काम कर रहे हैं। इन दोनों दावों के समर्थन में क्या सबूत हैं? इस पर राहुल ने कहा कि उनके फोन में ही सभी आरोपों से जुड़े सबूत मौजूद हैं। उन्होंने दावा किया कि आमने-सामने की बहस में यह स्पष्ट हो जाएगा कि विदेशी ताकतों के इशारे पर कौन काम कर रहा है, देश विरोधी कौन है और कौन कब से ऐसी गतिविधियों में शामिल है। राहुल ने कहा कि उनके पास ऐसी कई अन्य जानकारियां भी हैं, जिनके बारे में वह जानते हैं और जो उनके मोबाइल फोन में मौजूद हैं। एक अन्य सवाल में पूछा गया कि भाजपा संसद में बहस की बात कर रही है, जबकि राहुल सार्वजनिक मंच पर बहस की मांग क्यों कर रहे हैं? इस पर उन्होंने आरोप लगाया कि संसद में कई मुद्दों पर बोलने की कोशिश करने के बावजूद उन्हें मौका नहीं दिया जाता और उनका माइक बंद कर दिया जाता है। राहुल ने किसान कानूनों, वोट चोरी, सावरकर, चीन, जनरल नरवणे की किताब और एप्स्टीन से जुड़े मुद्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें इन विषयों पर संसद में अपनी बात रखने से रोका गया।

बागेश्वर धाम जा रहे यादव महासभा के लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया, समर्थकों ने दी लाठी-डंडों से स्वागत की चेतावनी

छतरपुर, एजेंसी। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भगवान श्रीकृष्ण को लेकर दिए गए बयान पर विवाद गहराता जा रहा है। बयान के विरोध में बागेश्वर धाम पर तालाबंदी करने जा रहे यादव महासभा के करीब 200 लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। यादव महासभा के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए रैली निकाली थी। उधर, यादव महासभा के विरोध की खबर मिलते ही पं. धीरेंद्र शास्त्री के समर्थक भी लामबंद हो गए और हाईवे पर लाठी-डंडे लेकर पहुंच गए। समर्थकों ने यादव महासभा के लोगों का जूतों और डंडों से स्वागत करने की चेतावनी तक दे डाली। शुक्रवार को दोनों पक्षों के आमने-सामने आने से इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। हालात को देखते हुए पुलिस ने मोर्चा संभाला और यादव महासभा के लोगों को धाम की ओर बढ़ने से रोक दिया।



विवाद के बीच बागेश्वर धाम के शिष्य मंडल की ओर से शांति बनाए रखने की अपील भी की गई। शिष्य मंडल के सदस्य नीतेंद्र चौबे ने बताया कि पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने दुबई से संदेश भेजकर यादव समाज को अपना भाई बताया है। उन्होंने सभी से शांति और एकता बनाए रखने की अपील करते हुए यादव समाज के लोगों को बागेश्वर धाम आने और बालाजी के चरणों में अर्जी लगाने का न्योता दिया है। हालांकि, इस अपील के बावजूद बयान को लेकर विरोध और समर्थन का सिलसिला जारी है।

दरअसल, विवाद की शुरुआत 29 अक्टूबर को शिवपुरी जिले के करैरा में आयोजित कथा के दौरान पं. धीरेंद्र शास्त्री के बयान से हुई थी। कथा में भगवान राम और श्रीकृष्ण की तुलना करते हुए उन्होंने कहा था कि हमारे राम सीधे हैं और तुम्हारे कृष्ण टेढ़े। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के तीन स्थानों से टेढ़े होकर खड़े होने, बांसुरी बजाने और गाय चराने का उल्लेख करते हुए कहा था कि उनके ठाकुरजी की खोपड़ी भी टेढ़ी, नाम भी टेढ़ा और चलने-खड़े होने का अंदाज भी टेढ़ा है। इसके साथ ही उन्होंने भगवान राम के धनुष चलाने और श्रीकृष्ण के बांसुरी बजाने की तुलना की थी। इसी टिप्पणी को यादव समाज ने भगवान श्रीकृष्ण का अपमान बताते हुए आपत्ति जताई है। अब इस बयान को लेकर शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन सड़कों तक पहुंच गया है और दोनों पक्षों के समर्थकों के आमने-सामने आने से कानून-व्यवस्था की चुनौती खड़ी हो गई है।

पीओके में यात्री वैन नदी में गिरी, 11 लोगों की मौत



इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में यात्री वैन के नदी में गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हुए हैं। हादसा उस समय हुआ, जब वैन गिलगित से घिजर जिले की यासीन घाटी जा रही थी। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, हादसा गुरुवार शाम मोर्काह पुल के पास हुआ। इसी दौरान चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और वैन यासीन नदी में जा गिरी। दुर्घटना के बाद बचाव दल को मौके पर बुलाया गया। बचावकर्मियों ने नदी से 10 यात्रियों के शव निकाले। इनमें दो महिलाएं शामिल थीं। इसके अलावा तीन घायलों को भी बाहर निकाला गया। घायलों में एक बच्चा भी था। सभी को उपचार के लिए गुपिस सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के मुताबिक, उपचार के दौरान गंभीर रूप से घायल बच्चे की भी मौत हो गई। इसके बाद हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई। दो अन्य घायलों का इलाज किया जा रहा है। मृतक और घायल सभी यासीन घाटी के निवासी बताए गए हैं।

ऑक्सीजन टैंकर में भीषण विस्फोट धमाके से ट्रक के उड़े परखच्चे

ग्वालियर, यशभारत। शहर के पिंटू पार्क औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार को ऑक्सीजन टैंकर में हुए भीषण विस्फोट से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। शिवा कंप्रेस्ड एयर प्रोडक्ट फैक्ट्री परिसर में खड़े टैंकर में धमाका इतना जोरदार था कि उसके साथ ही पास में खड़े ट्रक के भी परखच्चे उड़ गए। विस्फोट की आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी। अचानक हुए धमाके से आसपास की कॉलोनियों में रहने वाले लोग दहशत में आ गए और जान बचाने के लिए अपने घरों से बाहर निकल आए। कई परिवारों के कॉलोनी छोड़कर बाहर भागने की भी जानकारी सामने आई है।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग कुछ देर के लिए सहम गए। विस्फोट के बाद फैक्ट्री परिसर में टैंकर और ट्रक के क्षतिग्रस्त हिस्से दूर-दूर तक बिखर गए। घटनास्थल पर मलबा फैल गया। धमाके की सूचना मिलते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचने लगे, लेकिन दोबारा विस्फोट की आशंका को देखते हुए लोग घटनास्थल से दूरी बनाए रहे।बताया जा रहा है कि जिस फैक्ट्री में यह हादसा हुआ, वह रिहायशी इलाके के नजदीक स्थित है। ऐसे में इस घटना ने औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा इंतजामों और आबादी के आसपास संचालित होने वाली गैस एवं ऑक्सीजन संबंधी फैक्ट्रियों की निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर भी चिंता है कि यदि विस्फोट की तीव्रता कुछ और अधिक होती या आसपास के आवासीय क्षेत्र तक इसका असर पहुंचता तो बड़ा नुकसान हो सकता था।



कटनी की चोरी : प्रदेश की 5 बड़ी चोरियों में से एक



कटनी, यशभारत। *मध्य प्रदेश में करोड़ों की बड़ी चोरियों के इतिहास में अब कटनी का नाम भी प्रमुखता से जुड़ गया है। बरगवां स्थित 'किसना ज्वेलर्स' शोरूम की 9 इंच मोटी दीवार काटकर 12 से 15 करोड़ रुपये के जेवरात उड़ा ले जाने की सनसनीखेज वारदात ने पूरे प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था को झकझोर कर रख दिया है। यह वारदात इतनी बड़ी है कि इसने मध्य प्रदेश की अब तक की सबसे बड़ी और चर्चित चोरियों की फेहरिस्त में जगह बना ली है। कटनी की इस घटना के संदर्भ में आइए जानते हैं प्रदेश की उन 5 सबसे बड़ी चोरियों के बारे में, जहाँ शातिर चोरों ने बिना किसी हथियार के बल पर, केवल सेंधमारी और चकमा देकर करोड़ों के माल पर हाथ साफ किया।*

अब तक इन वारदातों ने झकझोरा मध्य प्रदेश को

1. भोपाल राज्य संग्रहालय की चोरी (लगभग 15 करोड़ रुपये)

- कब और कहाँ: सितंबर 2024, श्यामला हिल्स, भोपाल। वारदात का तरीका: एक शातिर चोर टिकट लेकर आम पर्यटक की तरह संग्रहालय में दाखिल हुआ और अंदर छिप गया। शाम को संग्रहालय बंद होने के बाद उसने गुप्त काल से लेकर नवाबी दौर तक के बेशकीमती प्राचीन सोने-चांदी के सिक्के और आभूषण समेट लिए, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 15 करोड़ रुपये आंकी गई।
- * अंजामः भागने के चक्कर में आरोपी 25 फीट ऊँची दीवार से कूदा जिससे उसका पैर टूट गया और वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया, जिससे पूरा खजाना बरामद हो सका।

2. कटनी के किसना ज्वेलर्स शोरूम में सेंधमारी (12 से 15 करोड़ रुपये)

- कब और कहाँ: नवंबर 2026, बरगवां (माधवनगर), कटनी।
- वारदात का तरीका: चोरों ने शोरूम के पीछे स्थित पहाड़ी और सुनसान खदान का फायदा उठाकर 9 इंच मोटी दीवार में छेद (सेंध) किया। अंदर घुसते ही उन्होंने सीसीटीवी का डीवीआर बंद कर दिया और गैस कटर व औजारों की मदद से शोरूम के लगभग सारे सोने व हीरे के जेवरात साफ कर दिए। बाहर गार्ड तैनात होने के बावजूद बिना किसी का सामना किए चोर माल लेकर फरार हो गए।

3. जबलपुर का 'पायल वाला' गोल्ड शोरूम कांड (करीब 5.5 करोड़ रुपये)

- कब और कहाँ: अगस्त 2022, गोलबाजार, जबलपुर।
- वारदात का तरीका: कर्ज में डूबे एक स्थानीय कारोबारी ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक महीने तक शोरूम की रेकी की। रात के समय चोरों ने शोरूम के 10 ताले काटे, सीसीटीवी डीवीआर उखाड़ा और दो घंटे तक इत्मीनान से 10 किलो से अधिक सोने के गहने बोरियों में भर लिए। बाद में पुलिस ने पूरे गिरोह को पकड़कर शत-प्रतिशत जेवर बरामद कर लिए थे।

4. उज्जैन एसबीआई लॉकर चोरी (करीब 5 करोड़ रुपये)

- कब और कहाँ: सितंबर 2025, महानंदा नगर, उज्जैन।
- वारदात का तरीका: मास्टरमाइंड चोर ने बेहद शातिराना तरीके से बैंक की सुरक्षा व्यवस्था को चकमा देकर रात के अंधेरे में स्ट्रांग रूम और लॉकर से नकदी व सोने के आभूषणों पर हाथ साफ किया। उज्जैन पुलिस की विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर इस हाई-प्रोफाइल चोरी का पर्दाफाश किया था।

5. सतना के 'जैन ज्वेलर्स' शोरूम में सेंधमारी (करीब 3.5 करोड़ रुपये)

- कब और कहाँ: जुलाई 2023, सिटी कोतवाली क्षेत्र, सतना।
- वारदात का तरीका: चोरों ने शोरूम की छत और दीवार काटकर भीतर प्रवेश किया। उन्होंने गैस कटर की मदद से तिजोरी काटी और करीब 5 किलो सोना व हीरे के जेवरात चुरा ले गए। पुलिस ने कई राज्यों में दबिश देकर इस अंतरराज्यीय गिरोह को पकड़ा था।

रेलवे आरएसी टिकट व्यवस्था खत्म करने पर कर रहा विचार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आरएसी (रिजर्वेशन अगेंस्ट कैंसलेशन) टिकट व्यवस्था में बदलाव करने पर विचार कर रहा है। इस व्यवस्था को खत्म करने की संभावना भी तलाशी जा रही है। यदि ऐसा होता है तो लाखों रेल यात्रियों को राहत मिल सकती है। फिलहाल आरएसी टिकट के तहत एक ही बर्थ पर दो यात्रियों को सफर करने की अनुमति दी जाती है। रेलवे में जब आरक्षित सीटों की मांग बढ़ जाती है और सभी यात्रियों को पूरी बर्थ उपलब्ध नहीं हो पाती, तब आरएसी टिकट जारी किए जाते हैं। इस व्यवस्था में दो यात्रियों को एक ही बर्थ पर बैठकर यात्रा करनी पड़ती है। दोनों यात्रियों को आधी-आधी जगह मिलती है। रात के समय उन्हें इसी सीमित जगह में सोना पड़ता है, जिससे लंबी दूरी की यात्रा में काफी परेशानी होती है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, यात्रियों की सुविधा से जुड़ी चिंताओं के चलते रेलवे इस व्यवस्था की समीक्षा कर रहा है। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि जब किसी यात्री को सोने के लिए पूरी बर्थ उपलब्ध नहीं होती, तो उससे पूरी यात्रा का किराया लेना उचित नहीं है। इसी आधार पर मौजूदा नियम में बदलाव की जरूरत महसूस की जा रही है।



सिस्टम की सीलन : 27 करोड़ 40 लाख में 'जर्जर' स्कूल का तोहफा

टूटते दरवाजे और सीलन भरी दीवारें बयां कर रहीं भ्रष्टाचार की दास्तान

सागर, यशभारत। बच्चों को बेहतर और आधुनिक शिक्षा देने के उद्देश्य से करोड़ों रुपये की लागत से तैयार किए जा रहे सांदीपनि स्कूलों की निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सागर जिले के नरयावली में 27 करोड़ 40 लाख रुपये की भारी-भरकम लागत से बने सांदीपनि स्कूल के नए भवन की हालत लोकार्पण के महज कुछ ही महीनों में जर्जर होने लगी है। इस भवन का लोकार्पण स्वयं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 23 अप्रैल को किया था।

इसी शैक्षणिक सत्र से शुरू हुई इस नई बिल्डिंग में घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल की पोल खुलने लगी है। भवन की मौजूदा स्थिति बेहद चिंताजनक है स्कूल के टॉयलेट की सीटें, पार्टिशन के पत्थर और दरवाजे टूट चुके हैं।भवन में लगी स्टील की रेलिंग आधी टूट चुकी है, जिससे बच्चों की सुरक्षा को खतरा बना हुआ है।क्लासरूम की दीवारों और ऑडिटोरियम



में पानी के रिसाव (सीलन) के स्पष्ट निशान दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा, बच्चों के लिए खेल का मैदान भी अभी तक अधूरा पड़ा है।

निर्माण एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल

मध्य प्रदेश भवन विकास निगम, लोक निर्माण विभाग (PWD) और पीआईयू (PI) जैसी प्रमुख निर्माण एजेंसियों की देखरेख में हुए इस निर्माण कार्य में बड़े पैमाने पर लापरवाही बरती गई है। स्थानीय लोगों और अभिभावकों का आरोप है कि घटिया सामग्री का उपयोग कर न केवल सरकारी धन की बर्बादी की गई है, बल्कि बच्चों के भविष्य और सुरक्षा के साथ भी खिलवाड़ किया जा रहा है।

अधिकारी का पक्ष

इस मामले में लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह ने कमियों को स्वीकार करते हुए सुधार की बात कही है। उन्होंने कहा, 'सांदीपनि स्कूलों में मैंने भी एक सर्वे कराया है, जिसमें दो तरह के कार्य शेष पाए गए हैं। जो कार्य निर्माण एजेंसियों के स्तर पर छूटे हैं, उन्हें वे ही पूरा करेंगी, जबकि शिक्षा से जुड़े कार्यों को विभाग पूरा कराएगा। जिन स्थानों पर निर्माण संबंधी कमियां रह गई हैं या टॉयलेट आदि टूट गए हैं, उन्हें संबंधित निर्माण एजेंसियों से ही ठीक कराया जाएगा। '



अब नहीं घूमेगा स्टेयरिंगः सड़क किनारे चूल्हा जलाकर बैठ गए चालक

रीवा, यशभारत। हिट एंड रन कानून के विरोध समेत विभिन्न मांगों को लेकर ट्रक चालकों ने स्टेयरिंग छोड़ो आंदोलन शुरू कर दिया है। रीवा-सतना मार्ग पर मानगवां से अमरपाटन तक करीब 40 से 50 किलोमीटर के दायरे में ट्रक खड़े हैं। चालकों ने अपने वाहन सड़क किनारे खड़े कर अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू कर दिया है।

हिट एंड रन कानून वापस लेने की मांग- आंदोलन कर रहे ट्रक चालकों की मांग है कि हिट एंड रन कानून वापस लिया जाए। इसके अलावा चालकों को नियुक्ति प्रमाण पत्र देने, वेलफेयर बोर्ड का गठन करने और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी की जा रही है। चालकों का कहना है कि कमर्शियल वाहन चलाने वालों के लिए हाईवे पर जगह-जगह रेस्ट रूम, शौचालय और आराम करने की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। उनका आरोप है कि लंबी दूरी की यात्रा के दौरान चालकों को बुनियादी सुविधाओं की परेशानी होती है। आंदोलनकारियों के मुताबिक, एंबुलेंस और जरूरी सेवाओं के वाहनों के लिए रास्ता खुला रखा गया है। कई चालक सड़क किनारे ही खाना बनाकर आंदोलन में शामिल हैं। उनका कहना है कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर फैसला नहीं लेती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

तीन यूपी पासिंग ट्रक आपस में भिड़े, केबिन में फंसा चालक

दमोह, यशभारत। बटियागढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नीमन तिराहा पर एक बेहद भीषण और दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जहां उत्तर प्रदेश यानी यूपी पासिंग के तीन भारी ट्रक आपस में जोरदार तरीके से टकरा गए। यह टक्कर इतनी जबरदस्त और भयानक थी कि एक ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और चालक वाहन के केबिन के भीतर बुरी तरह से फंस गया। इस भीषण दुर्घटना की सूचना मिलते ही बटियागढ़ थाना पुलिस तुरंत दल-बल के साथ मौके पर पहुंच गई और बिना समय गंवाए युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस सड़क दुर्घटना में शामिल तीनों ट्रक उत्तर प्रदेश पंजीकरण संख्या यानी यूपी पासिंग बताए जा रहे हैं, जो तेज रफ्तार या अनियंत्रित होने के कारण नीमन तिराहा पर आपस में भिड़ गए। बुरी तरह पिचके हुए ट्रक के केबिन में फंसे चालक की जान बचाने और उसे सुरक्षित बाहर निकालने के लिए पुलिस व प्रशासन



द्वारा मौके पर एक बड़ी क्रेन बुलाई गई है। क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त हिस्सों को खींचकर चालक को बाहर निकालने के लिए बचाव दल द्वारा लगातार सघन प्रयास किए जा रहे हैं। इस भयानक हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल पर आसपास के ग्रामीणों और वहां से गुजर रहे राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर सबसे पहले भीड़ को तितर-बितर किया ताकि बचाव कार्य में किसी तरह की कोई बाधा उत्पन्न न हो सके। हालांकि, इस दुर्घटना में अन्य ट्रकों के चालकों, परिचालकों या किसी अन्य व्यक्ति के घायल होने की वास्तविक स्थिति के बारे में फिलहाल आधिकारिक रूप से पूरी जानकारी स्पष्ट नहीं हो सकी है। स्थानीय नागरिकों और राहगीरों का कहना है कि नीमन तिराहा क्षेत्र में आए दिन इस तरह के गंभीर और जानलेवा सड़क हादसे सामने आ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद यहां यातायात सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नजर नहीं आते हैं। इस महत्वपूर्ण तिराहे पर न तो गति नियंत्रक संकेतक पर्याप्त हैं और न ही यातायात को सुचारू रूप से नियंत्रित करने के लिए कोई ठोस व्यवस्था की गई है। लगातार हो रही इन दर्दनाक दुर्घटनाओं ने संबंधित प्रशासनिक और परिवहन विभागों की कार्यप्रणाली व लचर व्यवस्था पर एक बार फिर से गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्रीय लोगों में इस बात को लेकर भी गहरा आक्रोश और चिंता व्याप्त है कि आखिर इस संवेदनशील तिराहे पर सड़क हादसों का यह सिलसिला कब तक यूं ही जारी रहेगा। स्थानीय निवासियों ने सवाल उठाया है कि जिम्मेदार विभाग गहरी नींद से कब जागेंगे और कब यहां सुरक्षा के ठोस उपाय लागू किए जाएंगे ताकि निर्दोष लोगों की जान बचाई जा सके। दूसरी ओर बटियागढ़ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित करते हुए यातायात को बहाल करने की कवायद शुरू कर दी है, साथ ही इस भीषण टक्कर के वास्तविक कारणों की भी बारीकी से जांच की जा रही है।

मुख्य मार्ग पर पैदल चलना हुआ दूभर, स्थानीय प्रशासन की अनदेखी से नागरिक परेशान

नैनपुर, यशभारत। नगर के मुख्य मार्गों पर अव्यवस्थाओं के चलते आम नागरिकों का पैदल चलना भी मुश्किल होता जा रहा है। शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहे पर फैली अव्यवस्था, आवागमन में परेशानी और पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित रास्ते की कमी ने स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है। इसके बावजूद स्थानीय प्रशासन की ओर से समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी पहल होती नजर नहीं आ रही है।प्रशासन केवल बैठक और जानकारी तक सीमित हो गया है नगर के मुख्य मार्गों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं। इनमें स्कूली बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं, दुकानदार और राहगीर शामिल हैं। लेकिन मार्गों पर पर्याप्त पैदल स्थान नहीं होने और यातायात व्यवस्था सुचारू न रहने के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

दुर्घटना की आशंका बनी रहती है

मुख्य मार्ग पर पैदल चलने वाले लोगों को कई बार वाहनों के बीच से निकलना पड़ता है। इससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों के लिए सड़क पर चलना



किसी चुनौती से कम नहीं है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो कभी भी गंभीर हादसा हो सकता है।

नागरिकों ने की व्यवस्था सुधारने की मांग

नगरवासियों ने स्थानीय प्रशासन एवं नगर पालिका से मांग की है कि मुख्य मार्गों का निरीक्षण कर पैदल यात्रियों के लिए पर्याप्त स्थान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही यातायात व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, अतिक्रमण की जांच की जाए और सड़क पर आवागमन को सुरक्षित एवं सुगम बनाया जाए। अब देखना यह है कि स्थानीय प्रशासन नागरिकों की इस समस्या को कितनी गंभीरता से लेता है और कब तक नैनपुर के मुख्य मार्गों पर पैदल चलने वालों को राहत मिल पाती है। सवाल यही है कि आखिर नैनपुर के नागरिकों को सुरक्षित पैदल चलने का अधिकार कब मिलेगा?

प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

नगर की इस समस्या को लेकर स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। नागरिकों का कहना है कि मुख्य मार्ग नगर की पहचान होते हैं, लेकिन जब इन्हीं मार्गों पर लोगों को सुरक्षित पैदल चलने की सुविधा नहीं मिल रही है तो नगर की व्यवस्थाओं पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया गोवर्धन पूजन और अन्नकूट पर्व



नैनपुर, यशभारत। नगर में गोभक्तों के सहयोग से वर्ष 2006 से संचालित समर्पण गौ शाला में गोवर्धन पूजन एवं अन्नकूट पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नगर एवं क्षेत्र के गोभक्त गौ शाला पहुंचे और विधि-विधान से गौमाता एवं गोवर्धन पर्वत का पूजन किया। समर्पण गो शाला की स्थापना नगर के गोभक्तों द्वारा की गई थी। स्थापना के समय विधायक निधि से सहयोग प्राप्त हुआ था, लेकिन इसके बाद शासन की और से अब तक किसी प्रकार का अनुदान नहीं मिला है। इसके बावजूद नगरवासियों एवं क्षेत्रवासियों के निरंतर जनसहयोग से गौ शाला का संचालन किया जा रहा है। गौ शाला के विस्तार के लिए पिछले 15 से 20 वर्षों से नैनपुर के आसपास उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराने की मांग शासन से की जा रही है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस सहयोग नहीं मिल पाया है। भूमि के अभाव में गोधन की संख्या बढ़ाने में भी परेशानी हो रही है। इसके बावजूद नगर एवं समाज के गौभक्त समय-समय पर सहयोग कर गोपाष्टमी, गोवर्धन पूजन एवं अन्य धार्मिक आयोजन करते आ रहे हैं। इसी क्रम में गोवर्धन पूजन के अवसर पर गौभक्तों ने सबसे पहले

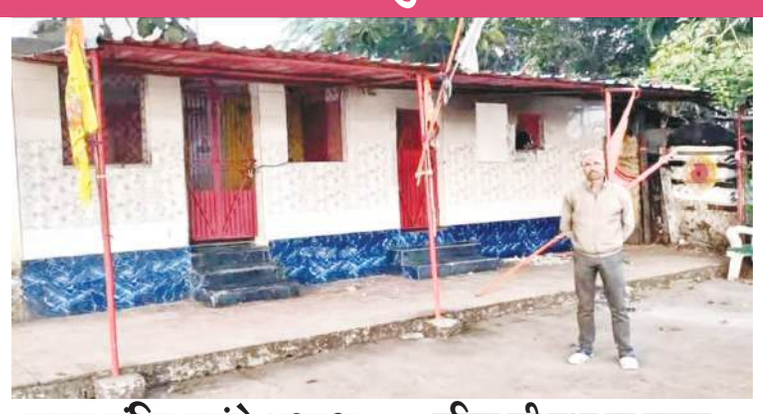
गोवर्धन बनाकर पूजन किया गया

गौमाता को स्नान कराया। इसके बाद गेरू एवं विभिन्न रंगों से उनका श्रृंगार किया गया। गोवर्धन पूजन एवं आरती के बाद गोमाता को खिचड़ी खिलाई गई तथा उपस्थित लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका द्वारा जल की व्यवस्था की गई। गोसेवक विजय नामदेव, सुधीर बंदेवार अनिल खंडेलवाल, सोना चंद्रोल, राजेश दुबे,ओंकार जंघेला, जिनेन्द्र जायसवाल, राजेश चंद्रौल गया प्रसाद तिवारी ने पूजन-पाठ संपन्न कराया।

आस्था के केंद्र पर चोरों का धावा, 40 साल पुराने शंकर मंदिर को भी नहीं छोड़ रहे चोर!

नर्मदा किनारे स्थित मंदिर में देर रात चोरी और तोड़फोड़, खिड़की-दरवाजों के ताले तोड़कर घुसे चोर; पुलिस की गश्त और सुरक्षा पर सवाल

डिंडोरी, यशभारत। डिंडौरी जिला मुख्यालय में अब आस्था के केंद्र भी सुरक्षित नजर नहीं आ रहे हैं। चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे भगवान के मंदिरों को भी निशाना बनाने से नहीं चूक रहे। ताजा मामला जिला मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 07 में नर्मदा नदी के किनारे स्थित करीब 40 वर्ष पुराने शंकर मंदिर का है, जहां देर रात अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर खिड़की और दरवाजों के ताले तोड़ दिए। मंदिर के अंदर रखी अलमारी का ताला तोड़कर नगदी सहित अन्य सामग्री चोरी किए जाने की आशंका है। घटना सामने आने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। वहीं इस वारदात ने कोतवाली पुलिस की रात्रिकालीन गश्त और शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। जब जिला मुख्यालय में नर्मदा किनारे स्थित मंदिर तक चोरों की पहुंच आसान हो रही है, तो शहर के अन्य इलाकों की सुरक्षा व्यवस्था का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।



सुबह मंदिर पहुंचे अध्यक्ष तो सामने आई वारदात

जानकारी के अनुसार, प्रतिदिन की तरह सुबह शंकर मंदिर समिति के अध्यक्ष मदन सोनी मंदिर में साफ-सफाई और पूजा-अर्चना के लिए पट खोलने पहुंचे। इसी दौरान उनकी नजर मंदिर की टूटी हुई खिड़की और क्षतिग्रस्त दरवाजे पर पड़ी। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि अज्ञात चोरों ने मंदिर में जमकर तोड़फोड़ की है। मंदिर में रखी अलमारी का ताला भी टूटा हुआ मिला। आशंका है कि चोर अलमारी में रखी नगदी और अन्य सामग्री लेकर फरार हो गए।

पुलिस की गश्त पर सवाल, आखिर कहां थी सुरक्षा व्यवस्था?

इस वारदात ने पुलिस की रात्रिकालीन गश्त की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चोरों ने मंदिर की खिड़की और दरवाजे तोड़कर अंदर प्रवेश किया, अलमारी का ताला तोड़ा और वारदात को अंजाम देकर निकल गए। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि शहर में रात के समय पुलिस की निगरानी कितनी प्रभावी है? क्या संवेदनशील और सार्वजनिक स्थलों पर नियमित गश्त की जा रही है? क्या पुलिस की मौजूदगी का अपराधियों में कोई खौफ बाकी है? जिला मुख्यालय में लगातार सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उठते सवालों के बीच मंदिर में हुई यह घटना पुलिस के लिए एक और चुनौती बन गई है। हालांकि, पुलिस की वास्तविक लापरवाही की पुष्टि जांच और गश्त संबंधी रिकॉर्ड से ही हो सकेगी, लेकिन इस घटना ने आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता जरूर बढ़ा दी है।

चोरी गई सामग्री का आकलन बाकी

मंदिर समिति अध्यक्ष मदन सोनी ने बताया कि घटना की जानकारी कोतवाली पुलिस को दे दी गई है। मंदिर की अलमारी और अन्य सामान की पूरी जांच नहीं हो पाने के कारण फिलहाल चोरी गई नगदी और सामग्री की वास्तविक कीमत स्पष्ट नहीं हो सकी है। अब देखना होगा कि पुलिस इस मामले में कितनी तत्परता दिखाती है और मंदिर में चोरी करने वाले आरोपियों तक कब पहुंच पाती है। साथ ही शहरवासियों को पुलिस की ओर से केवल जांच का आश्वासन मिलता है या रात्रिकालीन विचरण करने वाले सिंडिकेट का खेल उजागर किया जाएगा।

पैसा आया, पर सरकारी खजाने तक नहीं पहुंचा! 37.80 लाख गायब होने पर सीधी कार्यवाही : 4 को नोटिस जारी

डिंडोरी, यशभारत। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के ए.एच.पी. घटक अंतर्गत हितग्राहियों से प्राप्त 37 लाख 80 हजार रुपये की राशि नगर परिषद डिंडोरी के कोष में जमा नहीं कराए जाने का मामला सामने आया है। प्रकरण में गठित पांच सदस्यीय जांच दल द्वारा 6 नवंबर 2026 को प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अंजू पवन भदौरिया ने तत्कालीन मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। जांच प्रतिवेदन के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से कुल 33 रसीदों के माध्यम से 37 लाख 80 हजार रुपये की राशि प्राप्त की गई। इसमें वित्तीय वर्ष 2025-26 में 27 रसीदों के माध्यम से 33 लाख 40 हजार रुपये तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 में 6 रसीदों के माध्यम से 4 लाख 40 हजार रुपये प्राप्त किए गए। जांच के दौरान उक्त राशि नगर परिषद के कोष में जमा होने संबंधी अभिलेखीय प्रमाण उपलब्ध नहीं पाए गए।



नोडल अधिकारी को नोटिस

जांच प्रतिवेदन के आधार पर नगर परिषद डिंडौरी में पदस्थ ए.एच.पी. आवास लिपिक विषम्भर उचेहरा को नोटिस जारी किया गया है। वहीं तत्कालीन ए.एच.पी. नोडल अधिकारी एवं सेवानिवृत्त अधिकारी अशोक दीक्षित को भी नोटिस जारी कर सात दिवस के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है। जांच में पाया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में दीक्षित के नाम से जारी रसीद बुक क्रमांक 03 के माध्यम से 27 रसीदें जारी कर हितग्राहियों से 33 लाख 40 हजार रुपये प्राप्त किए गए थे, लेकिन उक्त राशि नगर परिषद के कोष में जमा होना नहीं पाया गया।

समयपाल को नोटिस

नगर परिषद के समयपाल सुरेन्द्र बिहारी शुक्ला को भी रसीद बही जारी करने एवं उसके संधारण में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किए जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जांच में पाया गया कि रसीद बही क्रमांक 03/2025-26 तत्कालीन ए.एच.पी. नोडल अधिकारी अशोक दीक्षित को जारी की गई थी, लेकिन रसीद बही स्टॉक पंजी में संबंधित अधिकारी के हस्ताक्षर प्राप्त नहीं किए गए थे। इसे अभिलेखों के संधारण एवं पदीय दायित्वों के निर्वहन में प्रथम दृष्टया लापरवाही माना गया है।

सीएमओ को भी जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश

प्रकरण में तत्कालीन मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमित तिवारी, वर्तमान में मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद धनपुरी, जिला शहडोल को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि तत्कालीन मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रूप में नगर परिषद के विभागीय कार्यों, शासकीय राशि के संधारण, योजना की राशि को नियमानुसार कोष में जमा कराने तथा अधीनस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों के कार्यों के पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण की जिम्मेदारी उनके पदीय दायित्वों में शामिल थी। इसके बावजूद राशि नगर परिषद के कोष में जमा नहीं होना प्रथम दृष्टया पर्यवेक्षणीय शिथिलता एवं वित्तीय नियंत्रण में उदासीनता को दर्शाता है। नोटिस में मध्यप्रदेश वित्तीय संहिता भाग-1 के नियम 25 तथा मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3 के उल्लंघन का उल्लेख करते हुए मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 16 के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित करने के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया है। सभी संबंधितों को नोटिस प्राप्ति से सात दिवस के भीतर अथवा 21 नवंबर 2026 तक संबंधित दस्तावेजों सहित तथ्यात्मक एवं अभिलेखीय जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समयावधि में जवाब प्राप्त नहीं होने अथवा स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाए जाने पर उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर नियमानुसार एकपक्षीय अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

पेंच टाइगर रिजर्व गाइड भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोप

कलेक्टर से हुई शिकायतः अभ्यर्थियों ने साक्षात्कार स्थगित कर निष्पक्ष जांच की मांग की

सिवनी यशभारत।

पेंच टाइगर रिजर्व में गाइड भर्ती प्रक्रिया को लेकर अभ्यर्थियों में लगातार असंतोष बना हुआ है। भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं एवं पूर्व में प्रस्तुत शिकायतों का निराकरण नहीं होने के बावजूद विभाग द्वारा दिनांक 17 एवं 18 नवंबर 2026 को साक्षात्कार आयोजित किए जाने की तिथि निर्धारित कर दी गई है। इससे प्रभावित अभ्यर्थियों में नाराजगी और असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

प्रभावित अभ्यर्थियों का कहना है कि उनके द्वारा पूर्व में भी जिला प्रशासन एवं संबंधित वन विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर भर्ती प्रक्रिया में व्याप्त समस्याओं और अनियमितताओं से अवगत कराया गया था, लेकिन आज दिनांक तक उन शिकायतों का संतोषजनक निराकरण नहीं किया गया है।

अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया में कई गंभीर सवाल उठाए हैं। इनमें एक ही परिवार के एक से अधिक सदस्यों का चयन होने की शिकायत, निर्धारित मापदंडों के विपरीत चयन की आशंका, अतिरिक्त नामों को चयन सूची में शामिल किए जाने की शिकायत, लिखित परीक्षा के प्राप्तांक एवं उत्तर पुस्तिकाओं की पारदर्शिता तथा प्रश्नपत्र की गोपनीयता को लेकर पेपर लीक की आशंका प्रमुख हैं।

अभ्यर्थियों ने प्रशासन को अवगत कराया है कि यदि दिनांक 16 नवंबर 2026 तक उनकी शिकायतों पर उचित एवं संतोषजनक कार्रवाई नहीं की जाती है तथा अभ्यर्थियों को न्याय से वंचित रखा जाता है, तो वे अपने संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों की रक्षा के लिए माननीय उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश की शरण लेने के लिए बाध्य होंगे।

प्रभावित अभ्यर्थियों ने जिला प्रशासन एवं वन विभाग से मांग की है कि जल्दबाजी में साक्षात्कार आयोजित करने के बजाय पहले सभी शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि किसी भी योग्य अभ्यर्थी के साथ अन्याय न हो और भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं विश्वसनीयता बनी रहे ।

अभ्यर्थियों ने रखी मांगे

1. दिनांक 17 एवं 18 नवंबर 2026 को प्रस्तावित साक्षात्कार पूर्व शिकायतों का निष्पक्ष निराकरण होने तक स्थगित किए जाए।
2. संपूर्ण भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए।
3. लिखित परीक्षा में शामिल सभी अभ्यर्थियों के प्राप्तांक एवं अंकतालिका सार्वजनिक की जाए।
4. प्रश्नपत्र की गोपनीयता एवं परीक्षा प्रक्रिया की जांच कर पेपर लीक की आशंका दूर की जाए।
5. चयन सूची में शामिल अतिरिक्त नामों एवं कथित अनियमितताओं की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।
6. सभी अभ्यर्थियों की आपत्तियों एवं शिकायतों का दस्तावेजों के आधार पर निष्पक्ष निराकरण किया जाए।
7. भर्ती के सभी नियम, चयन के मापदंड एवं अंतिम चयन का आधार सार्वजनिक किया जाए।

मोहगांव समिति प्रशासक की नागपुर में मौत

नागपुर किया गया था रेफर ; मौत के कारणों को लेकर चर्चा

सिवनी यशभारत।



आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मोहगांव के सीईओ एवं प्रशासक दिलीप डेहरिया की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद नागपुर में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना को लेकर सहकारिता क्षेत्र में चर्चाओं का दौर बना हुआ है। हालांकि उनकी मौत का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 1 नवंबर को गोपालगंज शाखा प्रबंधक तुलसी बघेल और मोहगांव समिति के सीईओ एवं प्रशासक दिलीप डेहरिया के बीच फोन पर बातचीत हुई थी। बताया जाता है कि बातचीत का संबंध पूर्व प्रशासक द्वारा अपेक्स बैंक के प्रशासक के सिवनी आगमन को लेकर था। इस बातचीत के बाद अचानक दिलीप डेहरिया की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें पहले जिला अस्पताल सिवनी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए नागपुर रेफर किया गया। नागपुर में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

घटनाक्रम के समय और फोन पर हुई बातचीत को लेकर अब कई सवाल उठ रहे हैं। क्या बातचीत के दौरान किसी तरह का मानसिक दबाव बना था? क्या तबीयत बिगड़ने के पीछे कोई अन्य स्वास्थ्य संबंधी कारण था? हालांकि इन सवालों के संबंध में फिलहाल कोई ठोस तथ्य सामने नहीं आया है और न ही मानसिक दबाव की बात की आधिकारिक पुष्टि हुई है।

दिलीप डेहरिया की अचानक हुई मौत सहकारिता क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। मौत के वास्तविक कारणों का पता चिकित्सकीय एवं अन्य तथ्यों के सामने आने के बाद ही चल सकेगा।

घायल अवस्था में मिला दुर्लभ उल्लू, किसान की सजगता से बची जान

बूबो बेंगालेंसिस प्रजाति के उल्लू को दूसरे पक्षियों के हमले से बचाकर वन विभाग को सौंपा, स्वस्थ होने पर जंगल में छोड़ा जाएगा

सिवनी यशभारत।



जिले के छपारा में एक किसान की सजगता और वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता की सराहनीय तस्वीर सामने आई है। खेत में घायल अवस्था में मिले दुर्लभ प्रजाति के उल्लू को किसान ने सुरक्षित बचाकर वन विभाग के सुपुर्द किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार 12 नवंबर को सुबह लगभग 11 बजे गोकुलपुर क्षेत्र के दलसागर स्थित अपने खेत में किसान सौरभ सिंह ठाकुर ट्रैक्टर से कृषि कार्य करवा रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर एक घायल उल्लू पर पड़ी, जिस पर अन्य पक्षी लगातार हमला कर रहे थे। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए सौरभ ठाकुर ने तत्काल उल्लू को हमले से बचाया।

बताया गया कि यह उल्लू बूबो बेंगालेंसिस (इंडियन ईगल आउल) प्रजाति का है। किसान ने अपने ड्राइवर आविद खान के साथ छपारा वन विभाग को इसकी सूचना दी। वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के पहुंचने में विलंब होने पर उन्होंने स्वयं घायल पक्षी को सुरक्षित वाहन में रखा और वन मंडल कार्यालय पहुंचकर डिप्टी रेंजर आशीष मसीह को सौंप दिया।

डिप्टी रेंजर आशीष मसीह ने बताया कि घायल उल्लू का उपचार कराया जाएगा तथा पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद उसे उसके प्राकृतिक आवास जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया जाएगा।

भारत में संरक्षित है इंडियन ईगल आउल

बूबो बेंगालेंसिस को इंडियन ईगल आउल के नाम से भी जाना जाता है। यह भारत में पाए जाने वाले बड़े उल्लुओं में शामिल है। इसके शरीर पर भूरे और मटमैले रंग के पंख तथा गहरे रंग की धारियां होती हैं। सिर पर सींग जैसी दिखाई देने वाली पंखों की विशेष बनावट इसकी अलग पहचान है। यह मुख्य रूप से पहाड़ी, पथरीले, झाड़ीदार और खुले प्राकृतिक क्षेत्रों में पाया जाता है।

वन्यजीवों के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता की आवश्यकता को दर्शाती किसान सौरभ सिंह ठाकुर की यह पहल सराहनीय है। यदि कहीं कोई घायल वन्यजीव या पक्षी दिखाई दे, तो उसे परेशान करने के बजाय वन विभाग अथवा वन्यजीव बचाव दल को सूचना देकर उसकी सुरक्षा में सहयोग करना चाहिए।

संक्षिप्त खबर

धर्मनगरी छोटी काशी आदेगांव में पधारेंगे पंडित पीठाधीश्वर महंत श्री विपिन बिहारी दास जी महाराज



सिवनी। धर्मनगरी छोटी काशी आदेगांव में परम श्रद्धेय पूज्य पीठाधीश्वर महंत श्री विपिन बिहारी दास जी महाराज का शुभ आगमन 15 नवंबर रविवार को होने जा रहा है। उनके आगमन को लेकर क्षेत्र के धर्मप्रेमी नागरिकों एवं श्रद्धालुओं में उत्साह का वातावरण है। इस शुभ अवसर पर श्रद्धालुओं को पंडित जी के दर्शन एवं आशीर्वचन प्राप्त करने का सौभाग्य मिलेगा। समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से इस शुभ अवसर पर उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह किया गया है।

युवाओं ने किया रक्तदान

सिवनी। नव जागृति समिति समाज द्वारा जिला, नगर एवं ब्लड बैंक के तत्वावधान में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक विशेष मोटिवेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के युवाओं सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम भारत माता के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित कर एवं वंदना-आरती के साथ किया गया। इसके पश्चात रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया। आयोजन के दौरान रक्तदान के प्रति युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। रक्तदान करने वाले युवाओं एवं समाजसेवियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि रक्तदान महादान है। किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में रक्त की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। रक्तदान करने से न केवल जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान मिलता है, बल्कि समाज में सेवा और सहयोग की भावना भी मजबूत होती है। आयोजन में समाज के पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए अधिक से अधिक युवाओं को इस पुनीत कार्य से जुड़ने का आह्वान किया।

गोबर्धन पूजन कर अग्रवाल समाज ने मनाया अन्नकूट महोत्सव, दीपावली मिलन समारोह



सिवनी यशभारत। जबलपुर रोड लूघरवाड़ा स्थित श्री अग्रसेन भवन में परम्परा अनुसार अन्नकूट महोत्सव और दीपावली मिलन समारोह 10 नवंबर मंगलवार को अग्रवाल समाज ने हर्षोल्लास से मनाया। भवन मंदिर में स्थापित भगवान श्री लक्ष्मी नारायण व महाराज श्री अग्रसेन के पूजन आरती के साथ ही प्रतीकात्मक भगवान गोबर्धन पर्वत का पूजन विधि-विधान से किया गया। आरती पूजन के बाद भगवान को विभिन्न व्यंजनों का भोग लगाकर हवन व परिक्रमा की गई। अग्रवाल समाज समिति के सभी पदाधिकारियों के अलावा समाज के वरिष्ठजन, महिलाओं ने पूजन में बढ़चढ़कर भाग लिया। गोवर्धन पूजन के बाद सभी ने एक-दूसरे को दीपोत्सव पर्व की बधाई व शुभकामनाएं दी। महिला, पुरूषों के अलावा बच्चों में खासा उत्साह देखा गया। वरिष्ठ नागरिकों व बड़ों ने छोटों को आर्शीवाद दिया।

प्रवक्ता संजय अग्रवाल ने बताया कि दीपावली मिलन समारोह व अन्नकूट महोत्सव के दौरान भक्ति गीतों पर आधारित राधे-राधे हाऊजी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में सामाजिकजनों ने हिस्सा लिया। श्याम तेरी बंसी को बजने से काम... यशोमति मैया से बोले नंदलाला....बड़ा नटखट है रे कृष्ण कन्हैया जैसी भक्ति रस में डूबी सुरलहरियों का उपस्थितजनों ने आनंद लिया। आयोजन समिति ने राधे-राधे हाऊजी में 11 विशेष पुरूस्कार तथा 25 सांत्वना पुरस्कार प्रतिभागियों को दिए। कार्यक्रम का संचालन श्री गोविंद अग्रवाल और सुश्री अनुशिखा मिनी अग्रवाल ने किया। बच्चों ने भवन परिसर में दीपोत्सव पर जमकर रंगबिरंगी आतिशबाजी की।

छपारा अग्निकांड के मृतकों को नगरवासियों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

मोमबत्तियां जलाकर छह दिवंगतों को किया नमन, श्रद्धांजलि सभा में नम हुईं आंखें

सिवनी यशभारत।



छपारा के बाजार स्थित महावीर वार्ड में जैन मंदिर के समीप हुए भीषण अग्निकांड में एक ही परिवार के छह सदस्यों की दर्दनाक मौत से पूरा नगर अब भी शोक में डूबा हुआ है। इस हृदयविदारक हादसे में दिवंगत हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए नगरवासियों ने एकजुट होकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा आयोजित की।

उल्लेखनीय है कि 8 एवं 9 नवंबर की दरमियानी रात सराफा व्यवसायी कुंदन लाल सोनी के तीन मंजिला मकान में अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई थी। इस हादसे में घर में मौजूद दस सदस्यों में से छह की दम घुटने से दुखद मृत्यु हो गई थी, जबकि चार लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया था। इसी दुखद घटना से व्यथित नगरवासी 11 नवंबर, बुधवार की शाम लगभग 7 बजे स्थानीय बस स्टैंड परिसर में एकत्रित हुए। यहां मोमबत्तियां प्रज्वलित कर दिवंगत कुंदन लाल सोनी (75), राजकुमारी सोनी (65), ऋचु सोनी (42), स्मृति सोनी (40), सूर्या सोनी (45) एवं आदित्य सोनी (16) को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान छह जिंदगियों के असमय बिछड़ जाने का दर्द हर चेहरे पर साफ झलक रहा था। मोमबत्तियों की रोशनी के बीच नम आंखों से दी गई श्रद्धांजलि ने माहौल को बेहद भावुक कर दिया। इस दुखद घड़ी में नगरवासियों की एकजुटता ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना और मानवीय एकता का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर आज खामी में

सिवनी। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत 13 नवंबर को केवलारी विकासखंड के ग्राम खामी में मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर के माध्यम से आमजन की समस्याओं को स्थानीय स्तर पर सुनकर उनके निराकरण के साथ पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती अंजू अरूण कुमार के निर्देशन में शिविर की सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शिविर स्थल पर नागरिकों की सुविधा, विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति तथा प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

आगजनी की घटना में घबराएं नहीं, सूझबूझ से करें काम

नगर परिषद केवलारी ने जारी किया जागरूकता संदेश, नागरिकों से अग्नि सुरक्षा नियमों के पालन की अपील

सिवनी यशभारत। नगर परिषद केवलारी द्वारा हाल ही में जारी किए गए जागरूकता संदेश एवं वीडियो के माध्यम से नगरवासियों को आग लगने की आकस्मिक घटनाओं से निपटने के लिए आवश्यक सावधानियों और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई है। प्रशासन एवं फायर विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि आगजनी की किसी भी घटना के दौरान घबराने के बजाय संयम और सूझबूझ से काम लें, ताकि जान-माल के नुकसान को कम किया जा सके।

जागरूकता संदेश में बताया गया है कि आग लगने की स्थिति में सबसे पहले स्वयं को सुरक्षित रखते हुए तत्काल सुरक्षित स्थान पर पहुंचना चाहिए। इसके साथ ही फायर ब्रिगेड के वाहनों के आवागमन के लिए घटनास्थल तक पहुंचने वाला रास्ता पूरी तरह खाली रखना जरूरी है, ताकि दमकल कर्मी समय पर मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर सकें।

नगर परिषद ने नागरिकों से यह भी अपील की है कि आगजनी की घटना के दौरान घटनास्थल पर अनावश्यक भीड़ एकत्र न करें। भीड़ के कारण राहत एवं बचाव कार्य प्रभावित हो सकता है और दमकल कर्मियों को आग बुझाने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आग बुझाने के दौरान फायर कर्मचारियों के कार्य में किसी प्रकार की बाधा न डालने



तथा आवश्यकता पड़ने पर मौके पर पानी की उचित व्यवस्था करने में सहयोग करने की अपील भी की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आग छोटी हो या बड़ी, इसकी सूचना तत्काल संबंधित फायर विभाग को दी जानी चाहिए। आपात स्थिति में 112 नंबर पर कॉल कर सहायता प्राप्त की जा सकती है।

प्रशासन ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि अग्नि सुरक्षा संबंधी नियमों का पालन सभी की जिम्मेदारी है। समय पर दी गई सूचना और थोड़ी सी सावधानी कई लोगों की जान तथा महत्वपूर्ण संपत्ति को आग की चपेट में आने से बचा सकती है।



शासकीय हाई स्कूल भोंगाखेड़ा में आयोजित हुई प्रतियोगिता, नशामुक्ति का दिया संदेश

सिवनी यशभारत। शासकीय हाई स्कूल भोंगाखेड़ा में आज दिनांक 12 .11.2026 को नशा मुक्त भारत अभियान के तहत विद्यालय में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां रंगोली चित्रकला और नशा मुक्ति संबंधी रैली का आयोजन किया गया जिसमें संस्था प्रमुख विपनेश जैन एवं समाज शैक्षणिक स्टाफ व छात्र छात्राएं सम्मिलित होकर नशा मुक्त भारत के कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दिए। रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सिमरन पंचेश्वर द्वितीय स्थान लक्ष्मी पंचेश्वर तृतीय स्थान सुनाली बघेल एवं चंचल परते ने प्राप्त किया शाला परिवार उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

स्वदेशी जागरण मंच ने मनाई दत्तोपंत ठेंगड़ी जी की जयंती, दी श्रद्धांजलि

सिवनी यशभारत। उपनगरीय भैरोगंज स्थित स्वावलंबी कार्यालय में 10 नवंबर, मंगलवार को स्वदेशी जागरण मंच जिला सिवनी द्वारा श्रद्धेय दत्तोपंत ठेंगड़ी जी की जयंती के उपलक्ष्य में श्रद्धांजलि एवं स्मृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने दत्तोपंत ठेंगड़ी जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण किया गया। उल्लेखनीय है कि दत्तोपंत ठेंगड़ी जी किसान मजदूर संघ एवं स्वदेशी जागरण मंच सहित विभिन्न संगठनों के संस्थापक रहे। उनके विचारों और राष्ट्रहित में किए गए कार्यों को याद करते हुए कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।



इनामी दंगल में मुनमुन राय ने की शिरकत, पहलवानों ने दिखाया जौहर

सिवनी यशभारत। बंडोल के निकट ग्राम पोंडी में विशाल इनामी दंगल एवं मंडई का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक दिनेश राय वह गुलमोहर स्टोन क्रेशर के संचालक अनुराग चतुर मोहताउपस्थित हुए उन्होंने वहां उपस्थित समिति के सदस्यों का पुष्प वष्टि कर सम्मान किया। इस आयोजन में सह सचिव जगदीश राय नंदकिशोर राय रमेश पार्वती अंजनी पर से मयंक त्रिवेदी कौशल दुबे आदित्य हुई के राजकुमार कुर्वेति गंगाराम मिनो निखिल राय राकेश विकास काकू पटेल राकेश बेस काकू पटेल रोहित राजपूत सहित अनेक लोग उपस्थित रहे कार्यक्रम में निर्णायक भूमिका में शिवानी के प्रकाश पहलवान की उपस्थिति रही सभी पहलवानों ने अपनी कला का प्रदर्शन कर लोगों का मनमोहन लिया लंबे समय बाद हुए इस आयोजन को लेकर लोगों में उत्साह देखा गया विधायक ने इस अवसर पर अपनी ओर से प्रथम पुरस्कार 15000 की राशि की घोषणा की वहीं द्वितीय पुरस्कार 1101 रुपए प्रति पुरस्कार 701 रुपए चौथ पुरस्कार 501 पांचवा पुरस्कार 3001 छटवां पुरस्कार 2101 रुपए सातवां



पुरस्कार 1101 रुपए की घोषणा की गई। रमेश कुमार ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने में चेतराम राय संत कुमार दुबे विजेंद्र राय दिलीप राय सीताराम रजक संतोष बघेल राजेंद्र राय राकेश राय रामनाथ राय चिड़मी भलावी भागवत कड़िया विजय कमरे उदय राम परतें बिरजू बरसे तिलक मास्कुले परसराम पढ़ने सुशील कर्चे गुलाबचंद इनवाती साबित लाल पढ़ते रामलाल कुर्वेति घनश्याम हुई के महेंद्र कुर्वेटी राम प्रसाद परते हरि कुमार ठेके भारत कुमार नागेश्वर राम चरण कमरे नानू ढके जी मुनीम यादव खूबचंद सलाम जी जालम सिंह कुर्वेति आदि का विशेष योगदान रहा।

सात-आठ वर्ष की उम्र में भी बच्चे रात्रि भोजन त्याग जैसे नियम सीख सकते हैं : महाराजश्री

बच्चों को धार्मिक नियम और संस्कारों की शिक्षा जरूरी : निर्वेग सागर

सिवनी यशभारत। लखनादौन में परम् पूज्य मुनि श्री निर्वेगसागर महाराज के ससंघ सानिध्य में आर्यिका विज्ञानमति माताजी द्वारा रचित श्री समवशरण महामंडल विधान चल रहा है। सर्वप्रथम देवाधिदेव श्री 1008 आदिनाथ भगवान का महामस्त का अभिषेक एवं शान्ति धारा सम्पन्न हुआ।

मुनि श्री निर्वेगसागर जी महाराज के मंगल प्रवचन में कहा मनुष्य के जीवन में संकल्प शक्ति का बहुत बड़ा महत्व है। यदि व्यक्ति दृढ़ संकल्प कर ले, अच्छी संगति प्राप्त करे और गुरु भगवंतों की आज्ञा के अनुसार जीवन चलाए, तो वह बड़ी से बड़ी बुराइयों से बच सकता है। माता-पिता को बच्चों को छोटी उम्र से ही धार्मिक नियमों और संस्कारों की शिक्षा देनी चाहिए। सात-आठ वर्ष की उम्र में भी बच्चे रात्रि भोजन त्याग जैसे नियम सीख सकते हैं। बच्चों की उम्र और समझ के अनुसार उन्हें उचित मार्गदर्शन और छूट देते हुए नियमों के प्रति प्रेरित करना चाहिए।

आज की सबसे बड़ी समस्या मन की चंचलता है। नई-नई सुख-सुविधाओं और आकर्षणों के कारण मनुष्य का मन कहीं



स्थिर नहीं रहता। एक इच्छा पूरी होते ही दूसरी इच्छा जाग जाती है। इससे जीवन में वास्तविक सुख और शांति समाप्त होती जा रही है। मन को स्थिर करने के लिए प्रतिदिन सुबह शांत बैठकर बिना उँगलियों पर गिनती किए नौ बार नवकार मंत्र का जाप करना चाहिए। धीरे-धीरे अभ्यास बढ़ाकर अठारह बार भी जाप कर सकते हैं। बच्चों को भी यह संस्कार देना चाहिए। इससे एकाग्रता और संकल्प शक्ति बढ़ाने का अभ्यास होता है।समवशरण महामंडल विधान जैसे धार्मिक आयोजन समाज में धर्म के प्रति श्रद्धा, एकता और सद्भाव बढ़ाते हैं। साधु-संतों का सान्निध्य और गुरुजनों का मार्गदर्शन जीवन को सही दिशा प्रदान करता है। एवं आज समवशरण महामंडल विधान में अष्टध्वज एवं अष्टप्रातिहार की स्थापना हुई।

अष्ट मंगल द्रव्य से पूजन

समवशरण में विराजमान तीर्थंकर भगवान की अष्ट मंगल द्रव्य से पूजन हुई। इन्द्र इन्द्राणी ने बड़े ही भक्ति भाव के साथ विधान का आनंद लिया एवं विधान में अर्घ समर्पित किया। संध्या काल में विधानाचार्य बाल ब्रह्मचारी विजय भैया जी के मंगल प्रवचन हुए, रात्रि में महाआरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर का आयोजन आज ग्राम खामी में

सिवनी। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत 13 नवंबर को केवलारी विकासखंड के ग्राम खामी में मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर के माध्यम से आमजन की समस्याओं को स्थानीय स्तर पर सुनकर उनके निराकरण के साथ पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। शिविर स्थल पर नागरिकों की सुविधा, विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति तथा प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। शिविर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। नागरिक अपनी समस्याएं एवं आवेदन संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कर सकेंगे। अधिकारियों द्वारा आवेदनों की जांच करते हुए नियमानुसार यथासंभव मौके पर ही समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। जिन प्रकरणों का निराकरण तत्काल संभव नहीं होगा, उनमें आवश्यक कार्यवाही करते हुए समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। शिविर में विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी भी नागरिकों

चिंतन-मनन

विकास की कसौटी

भारत आज दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। आर्थिक विकास के आंकड़े, बढ़ता बुनियादी ढांचा, एक्सप्रेसवे, आधुनिक रेल नेटवर्क, डिजिटल सेवाएं और औद्योगिक विस्तार देश की बदलती तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। विकसित भारत का सपना भी इसी प्रगति की मजबूत नींव पर खड़ा है। लेकिन इस चमकती तस्वीर के बीच एक सवाल लगातार सामने आता है कि क्या आर्थिक विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक समान रूप से पहुंच रहा है? क्या आम आदमी का जीवन उतना ही आसान और सुरक्षित हुआ है, जितनी तेजी से देश की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही है? आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है। यह निश्चित रूप से उत्साहजनक उपलब्धि है। आर्थिक विकास से निवेश, उत्पादन, व्यापार और सरकारी राजस्व के अवसर बढ़ते हैं। इसके लिए सरकार की नीतियों, उद्योगों की भूमिका और बुनियादी ढांचे के विस्तार का महत्व भी स्वीकार करना होगा। हालांकि, जीडीपी की वृद्धि अपने आप में आम नागरिक की आर्थिक खुशहाली का पूरा प्रमाण नहीं हो सकती। विकास का वास्तविक अर्थ तब सामने आता है, जब उसका लाभ किसान, मजदूर, छोटे व्यापारी, नौकरीपेशा व्यक्ति, युवा और मध्यमवर्गीय परिवार तक पहुंचे। आज आम परिवार की सबसे बड़ी चिंता महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार है। एक सामान्य परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा बच्चों की पढ़ाई, मकान के किराये, राशन, बिजली और चिकित्सा पर खर्च करता है। निजी अस्पतालों में इलाज और निजी शिक्षण संस्थानों की फीस लगातार बड़ी आर्थिक चुनौती बनती जा रही है। सरकारी अस्पतालों और विद्यालयों पर भी आबादी का दबाव है। ऐसे में आर्थिक विकास के आंकड़ों के साथ यह देखना भी जरूरी है कि आम आदमी की बचत बढ़ रही है या उसकी आय का अधिकांश हिस्सा जरूरी खर्चों में समाप्त हो रहा है। देश के सामने रोजगार का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। युवाओं के पास डिग्रियां हैं, तकनीकी शिक्षा है और आगे बढ़ने की आकांक्षा भी है, लेकिन उन्हें उनकी योग्यता के अनुरूप स्थायी रोजगार मिलना अभी भी बड़ी चुनौती है। केवल कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना पर्याप्त नहीं है। उद्योगों, लघु एवं मध्यम उद्यमों, कृषि आधारित व्यवसायों और सेवा क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा करने होंगे। स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के साथ छोटे उद्यमियों को आसान ऋण, बाजार और तकनीकी सहायता उपलब्ध करानी होगी। शिक्षा और स्वास्थ्य को विकास की प्राथमिकता बनाना भी आवश्यक है। सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रशिक्षित शिक्षक, आधुनिक प्रयोगशालाएं और डिजिटल सुविधाएं सुनिश्चित होनी चाहिए। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच शिक्षा की गुणवत्ता का अंतर कम करना होगा। इसी तरह सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सक, दवाएं, जांच सुविधाएं और बेहतर चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराना जरूरी है। स्वास्थ्य सेवा इतनी सुलभ हो कि किसी परिवार को बीमारी के कारण अपनी वर्षों की बचत या संपत्ति गंवानी न पड़े। विकास का एक महत्वपूर्ण पक्ष ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी है। किसान की आय, कृषि की लागत, सिंचाई, फसल का उचित मूल्य और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाए बिना समावेशी विकास का लक्ष्य अधूरा रहेगा। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी, बुजुर्गों की सामाजिक सुरक्षा और कमजोर वर्गों के लिए बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता भी विकास के मूल्यांकन का हिस्सा होनी चाहिए। सरकार के लिए आवश्यक है कि बजट और नीतियां बनाते समय बड़े निवेश और विकास दर को प्राथमिकता के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, स्वच्छ पेयजल, सस्ती आवास व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा पर भी पर्याप्त ध्यान दिया जाए। योजनाओं की सफलता का आकलन इस आधार पर होना चाहिए कि उनका लाभ कितने लोगों तक पहुंचा और उनके जीवन में कितना वास्तविक बदलाव आया। इसके लिए पारदर्शिता, जवाबदेही और स्थानीय स्तर पर नियमित निगरानी जरूरी है। विकसित भारत का सपना किसी एक सरकार, संस्था या वर्ग का लक्ष्य नहीं बल्कि पूरे देश की सामूहिक आकांक्षा है। आर्थिक शक्ति और आधुनिक तकनीक इस लक्ष्य तक पहुंचने के महत्वपूर्ण साधन हैं, लेकिन अंतिम मंजिल नागरिकों की खुशहाली है। देश तभी वास्तव में विकसित कहलाएगा, जब किसी गरीब बच्चे को अच्छी शिक्षा के लिए संघर्ष न करना पड़े, किसी परिवार को इलाज के अभाव में परेशानी न झेलनी पड़े और किसी युवा को रोजगार के लिए अपनी योग्यता से समझौता न करना पड़े। जीडीपी देश की आर्थिक प्रगति बताती है, लेकिन आम आदमी के चेहरे की संतुष्टि ही विकास की वास्तविक सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

कड़वे वचन



किसी ने पूछाः मंदिर जाते हैं तो पहले घंटीक्यों बजाते हैं? मैंने प्रतिप्रश्न कियाः फोन आता है तो पहले घंटी क्येां बजती है? फोन की घंटी इशारा है कि किसी ने पुकारा है और मंदिर की घंटी भी इशारा है कि प्रभु तेरा ही सहारा है। मंदिर की घंटी के संग मन मंदिर की घंटी भी बजनी चाहिए। कहें- हे प्रभु मेरा नाथ तू है, दुनिया में हूं अकेला, पर मरे साथ तू है।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-14 नवम्बर, 2026
दिन-शनिवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ

बिना मांगे सलाह देने से बचे लेनदेन के मामले में सतर्क रहें देवी पार्वती का पूजन करें

वृष इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

घर के बाहर वाद-विवाद से दूर रहे मन की इच्छा पूर्ण होगी चांदी की गिलास में पानी पिए

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह

उधार लेने व देने से बचें विद्यार्थियों के लिए समय ठीक नहीं है मन में भटकाव रहेगा वट वृक्ष का पूजन करें

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

रुका हुआ पुराना काम बन सकता है परिवार के किसी सदस्य के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है ओम विधि रूपाय नमः का जाप करें

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

वरिष्ठ ओं का मार्गदर्शन मिलेगा अपने ऊपर फोकस बनाए रखें भगवान शिव को जल चढ़ाएं

कन्या ठो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

कारोबारी कार्य में मन लगेगा लाभ के अवसर मिलेंगे लालच में ना फंसे ओम नमः पार्वती पति यह नमः का जाप करें

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

धन लाभ के अवसर बढ़ेंगे पारिवारिक चिंता रहेगी शुक्र ग्रह का पूजन करें

वृश्चिक ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे

मन प्रफुल्लित रहेगा तेज ड्राइविंग से बचे हनुमानजी के दर्शन करे

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे

आज मनमाफिक काम होंगे पुरानी स्मृतियों का मन पर कब्जा रहेगा ब्राह्मणों को दान दे

मकर भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

घूमने फिरने की योजना साकार होगी मनचाहे लोगों का साथ मिलेगा हाइपर होने से बचे शनि का पूजन करें

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

दिन तनाव भरा कठिन रहेगा शाम की बात मन प्रसन्न रहेगा पीपल के वृक्ष में दिया लगाएं

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची

लोगों के मैसेज पढ़ कर मन प्रसन्न होगा तारीफ होगी लालच में ना फंसे गुरुओं की सेवा करें

‘लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ युवा संवाद’ कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मिथलेश पयासी ने युवाओं को किया संबोधित, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रहित पर हुई चर्चा

उमरिया, यश भारत। शहर स्थित शासकीय आईटीआई में भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष आशुतोष तिवारी के तत्वावधान में ‘लोकतंत्र बचाओ,अराजकता हटाओ - युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान लोकतंत्र की मजबूती, संवैधानिक मूल्यों, राष्ट्रहित तथा युवाओं की सामाजिक एवं लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष



आशुतोष अग्रवाल एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मिथलेश पयासी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। युवाओं को अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहना चाहिए तथा राष्ट्र और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना चाहिए। युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष आशुतोष तिवारी ने संवाद के दौरान युवाओं से लोकतंत्र, संविधान, सामाजिक सहभागिता और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें सामाजिक और राष्ट्रीय गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना रहा।कार्यक्रम में युवाओं की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। आयोजकों ने कहा कि युवा केवल दर्शक बनकर न रहें, बल्कि लोकतंत्र के सजग प्रहरी और राष्ट्र निर्माण के सक्रिय भागीदार बनें। युवाओं की जागरूकता, सकारात्मक सोच और सक्रिय भागीदारी से ही समाज में रचनात्मक परिवर्तन की दिशा मजबूत हो सकती है। नीरज अग्रवाल, उदय नारायण साहू, श्वेतांशु सिंह, अखंड सिंह ,आयुष पाठक, अभय तिवारी, देवांश गौतम, सहित बड़ी संख्या में युवा मोर्चा साथी मौजूद रहे।

कछरा टोला पंचायत में रेत के नाम पर लाखों की धांधली!





चार साल में उमरिया की रेत छोड़ शहपुरा की रेत से हुआ पंचायत का विकास

सरपंच-सचिव और इंजीनियर की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

उमरिया, यश भारत। जिले के जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत कछरा टोला इन दिनों पंचायत के विकास को लेकर अपनी अलग ही सुर्खियां बटोरने में जुटा हुआ है। यहां देवर भौजाई की जोड़ी ने कागजों में ऐसे बड़े बड़े विकास करा डालें हैं कि पंचायत की जनता छोड़ जनपद स्तर पर इनके घोटाले की खनखनाहट की आवाज सीईओ की कानों तक गूंजनें लगी है। यहां निर्माण कार्यों के नाम पर रेत की खरीदी और उसके उपयोग को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि पंचायत में पिछले चार वर्षों के दौरान कराए गए निर्माण कार्यों में उमरिया जिले की रेत खरीदने के बजाय, डिंडौरी जिले के शहपुरा के राय ट्रांसपोर्ट से रेत मंगाकर विकास कार्यों में उपयोग किए जाने के बिल प्रस्तुत किए गए हैं। अब सवाल यह है कि आखिर पंचायत के निर्माण कार्यों में इतनी बड़ी मात्रा में बाहर से रेत क्यों मंगाई गई और इसके पीछे का वास्तविकता क्या है?

दस्तावेजों ने खोली राज

वहीं पंचायत के निर्माण कार्यों और उनसे जुड़े दस्तावेजों को लेकर सामने आ रही जानकारियों ने सरपंच, सचिव सहित संबंधित इंजीनियर की कार्यप्रणाली को संदेह के घेरे में खड़ा कर दिया है। निर्माण कार्यों में रेत की खपत, उसकी मात्रा, खरीदी के बिल और मौके पर हुए वास्तविक निर्माण के बीच कितना तालमेल है, इसकी जांच होना जरूरी है। अब बड़ा सवाल यह है कि चार वर्षों तक पंचायत के विभिन्न निर्माण कार्यों में रेत की खरीदी और भुगतान की प्रक्रिया पर जिम्मेदार अधिकारियों की नजर क्यों नहीं पड़ी? क्या बिना भौतिक सत्यापन के ही निर्माण कार्यों का मूल्यांकन और भुगतान किया जाता रहा? यदि रेत की खरीदी के बिलों में गड़बड़ी है तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी?

क्या जिम्मेदार करा पायेंगे जांच

मामले में अब जिले के जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। कि ग्रामीणों और शिकायतकर्ताओं की मांग है कि पंचायत में पिछले चार वर्षों के निर्माण कार्यों, रेत खरीदी के बिलों, भुगतान अभिलेखों और इंजीनियर द्वारा किए गए मूल्यांकन की निष्पक्ष जांच कराई जाए। वहीं अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस पूरे मामले को गंभीरता से लेकर जांच कराता है या फिर पंचायत में रेत के नाम पर हुए कथित लाखों के खेल पर पर्दा पड़ा रहता है। उपरोक्त संबंध में जब सीईओ जनपद पंचायत मानपुर अंकित सिरोठिया से फोन पर जानकारी चाहनें की कोशिश की गई।तो साहब हों की फोन रिसीव करना मुनासिब समझें।



SH-10 मानपुर-बरही-कटनी मार्ग पर हादसों को न्योता दे रहीं झाड़ियां, सड़क की पटरियों पर भी अतिक्रमण

मोड़ों पर लटकती झाड़ियां बनीं वाहन चालकों के लिए मुसीबत, सड़क किनारे की पटरी तक नहीं आ रही नजर

उमरिया, यश भारत। एस एच-10 मानपुर एवं बरही-कटनी मार्ग पर सड़क किनारे उगी झाड़ियां अब राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बनती जा रही हैं। सड़क के दोनों ओर झाड़ियां इतनी बढ़ गई हैं कि कई स्थानों पर सड़क की पटरियां तक दिखाई नहीं देतीं। वहीं, खतरनाक मोड़ों पर झाड़ियां सड़क की ओर लटक रही हैं, जिससे सामने से आने वाले वाहनों को देख पाना मुश्किल हो जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मार्ग पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और झाड़ियों के कारण भविष्य में बड़े सड़क हादसे की आशंका बनी हुई है। सड़क किनारे की पटरियों पर भी कई स्थानों पर अतिक्रमण कर लिया गया है, जिससे सड़क की चौड़ाई कम होती जा रही है। खासकर दोपहिया वाहन चालकों और रात के समय सफर करने वालों को अधिक खतरा बना रहता है।क्षेत्रवासियों ने संबंधित सड़क निर्माण एवं रखरखाव विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि एस एच-10 मार्ग के दोनों ओर उगी झाड़ियों की तत्काल कटाई-छंटाई कराई जाए, खतरनाक मोड़ों को साफ कराया जाए तथा सड़क की पटरियों से अतिक्रमण हटाकर आवागमन सुरक्षित बनाया जाए। सवाल यह है कि क्या संबंधित विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है? समय रहते सड़क की सफाई और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई बेहद जरूरी है।

बालाघाट

बिरसा जनपद में शासकीय निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल, सरकारी राशि के उपयोग की जांच जरूरी

कहीं अधूरे निर्माण तो कहीं कार्यों के मूल्यांकन और भुगतान में गड़बड़ी की आशंका; फर्जी मस्टर रोल और बिल-वाउचर के सत्यापन की मांग, कलेक्टर से सभी पंचायतों का तकनीकी ऑडिट कराने की अपेक्षा

बालाघाट, यश भारत। जनपद पंचायत बिरसा की ग्राम पंचायतों में कराए जा रहे शासकीय निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और सरकारी राशि के उपयोग को लेकर जांच की आवश्यकता महसूस की जा रही है। निर्माण कार्यों में निर्धारित तकनीकी मापदंडों के पालन से लेकर कार्यों के मूल्यांकन और भुगतान तक की प्रक्रिया का परीक्षण किया जाना जरूरी है। निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति और सरकारी अभिलेखों में दर्ज विवरण के बीच संभावित अंतर को देखते हुए व्यापक जांच की मांग उठ रही है। जनपद क्षेत्र में सीसी सड़क, नाली, पुलिया, स्लैब कल्वर्ट, सामुदायिक भवन और



आंगनबाड़ी भवन सहित विभिन्न निर्माण कार्यों पर सरकारी राशि खर्च की जाती है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि स्वीकृत राशि के अनुरूप निर्माण कार्य वास्तव में हुए हैं या नहीं और उनकी गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप है या नहीं। कहीं अधूरे निर्माण कार्यों को पूर्ण दर्शाकर भुगतान किए जाने अथवा बिना निर्माण कार्य के राशि आहरण की आशंका की भी अभिलेखों के आधार पर जांच होनी चाहिए।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का हो तकनीकी परीक्षण- निर्माण कार्यों में उपयोग की गई सामग्री, सीसी सड़क की मोटाई, निर्माण की लंबाई-चौड़ाई और अन्य तकनीकी मानकों का स्वतंत्र परीक्षण कराया जाना चाहिए। यदि कहीं निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाए जाते हैं, तो संबंधित निर्माण एजेंसी और निरीक्षण करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच होनी चाहिए।

मस्टर रोल और मजदूरी भुगतान का हो सत्यापन- निर्माण कार्यों में मजदूरी भुगतान से संबंधित मस्टर रोल का भी परीक्षण जरूरी है। मस्टर रोल में दर्ज मजदूरों की उपस्थिति, कार्य दिवस और बैंक खातों में हुए भुगतान का मिलान कराया जाना चाहिए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि भुगतान वास्तविक रूप से कार्य करने वाले मजदूरों को ही किया गया है। कहीं फर्जी उपस्थिति अथवा गलत नामों के आधार पर राशि आहरण तो नहीं हुआ, इसकी जांच दस्तावेजों के आधार पर की जानी चाहिए।

बिल-वाउचर और सामग्री खरीदी की जांच जरूरी- निर्माण कार्यों में सामग्री खरीदी के लिए प्रस्तुत बिल-वाउचर, रसीदों और भुगतान अभिलेखों का भी सत्यापन कराया जाना चाहिए। दस्तावेजों में दर्शाई गई सामग्री और मौके पर हुए निर्माण में उपयोग की गई सामग्री का मिलान किया जाए। साथ ही यह भी जांच हो कि कहीं एक ही बिल का उपयोग एक से अधिक निर्माण कार्यों में तो नहीं किया गया।

निर्माण कार्यों के मूल्यांकन में किसकी क्या भूमिका?- किसी भी शासकीय निर्माण कार्य में पंचायत प्रतिनिधियों, सचिव, रोजगार सहायक, उपयंत्री और सहायक यंत्री सहित संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित होती है। इसलिए जांच में यह भी देखा जाना चाहिए कि निर्माण कार्यों का निरीक्षण किसने किया, माप पुस्तिका में दर्ज विवरण किस आधार पर प्रमाणित किए गए और भुगतान की स्वीकृति किन दस्तावेजों के आधार पर दी गई।

नौ दिन में दूसरी बार लावारिस मिला नवजात, बालाघाट में मचा हड़कंप

कटंगी के बनेरा में तुअर के पेड़ के नीचे झाड़ियों में पड़ा था मासूम, महिला ने रोने की आवाज सुनकर बचाई जान; 3 नवंबर को लांजी में थैले के भीतर मिली थी नवजात बच्ची

बालाघाट, यश भारत। जिले में नौ दिनों के भीतर दूसरी बार नवजात शिशु के लावारिस हालत में मिलने का मामला सामने आया है। गुरुवार शाम कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम बनेरा में एक नवजात शिशु झाड़ियों के बीच तुअर के पेड़ के नीचे पड़ा मिला। बच्चा बिना कपड़ों के था और उसके पैरों पर घास से कटने के निशान भी बताए जा रहे हैं। गनीमत रही कि वहां से गुजर रही एक महिला ने बच्चे के रोने की आवाज सुन ली। महिला ने तत्काल नवजात को उठाकर अपने घर पहुंचाया और ग्रामीणों को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार और स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। जिले में लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने नवजात शिशुओं की सुरक्षा और बाल संरक्षण व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। अभी 3 नवंबर को लांजी में थैले के भीतर मिली नवजात



बच्ची का मामला शांत भी नहीं हुआ था कि अब कटंगी के बनेरा में दूसरी घटना सामने आ गई। दोनों ही मामलों में बच्चों को लावारिस हालत में छोड़ने वाले परिजनों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

तुअर के पेड़ के नीचे मिला नवजात

जानकारी के अनुसार, गुरुवार शाम ग्राम बनेरा में एक महिला को बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। आवाज की दिशा में पहुंचने पर उसे ताराचंद लांजेवार की बाड़ी में तुअर के पेड़ के नीचे एक नवजात शिशु पड़ा दिखाई दिया। बच्चा बिना कपड़ों के था। उसके पैरों पर घास से कटने के निशान भी नजर आए। महिला ने बिना देर किए बच्चे को उठाया और अपने घर ले आई। इसके बाद ग्रामीणों को जानकारी दी गई। सूचना मिलने पर कटंगी पुलिस मौके पर पहुंची और नवजात को अपने संरक्षण में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी पहुंचाया। चिकित्सकों द्वारा बच्चे की जांच और उपचार किया जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उसकी हालत फिलहाल स्वस्थ बताई जा रही है।

लांजी में थैले के भीतर मिली थी नवजात बच्ची

इससे पहले 3 नवंबर की रात लांजी नगर के भिलाई रोड स्थित तालाब के पास एक थैले में कपड़े से लिपटी नवजात बच्ची मिली थी। रास्ते से गुजर रही महिलाओं ने जब बच्चे के रोने की आवाज सुनी तो आसपास तलाश की। इस दौरान उन्हें थैले के भीतर बच्ची दिखाई दी। महिलाओं ने तत्काल उसे बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बच्ची को सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया, जहां उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, बच्ची का वजन करीब 2 किलो 400 ग्राम था और उसकी हालत स्थिर बताई गई थी। इस मामले में भी पुलिस बच्ची को वहां छोड़ने वाले व्यक्ति की पहचान करने में जुटी है।



जिला स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक में ऋण वितरण की हुई समीक्षा

सभी शासकीय योजनाओं में शत-प्रतिशत ऋण वितरण का लक्ष्य जनवरी तक पूरा करें : कलेक्टर श्री सिंह

बालाघाट, यश भारत। कलेक्टर आदित्य सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैंकर्स समिति एवं जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्ष 2026-27 के दौरान विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत ऋण वितरण की प्रगति की समीक्षा की गई। इसमें अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री संजीव कुमार, विभिन्न बैंकों के समन्वय अधिकारी एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में उद्यम क्रांति, पीएम विश्वकर्मा, संत रविदास, डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण, भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार, टंट्या मामा आर्थिक कल्याण, पीएम स्वनिधि, पीएमएफएमई, किसान क्रेडिट कार्ड, मुद्रा लोन सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सभी शासकीय योजनाओं में ऋण वितरण के शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरे किए जाएं। इसके लिए मार्च माह तक इंतजार करने के बजाय जनवरी 2027 तक लक्ष्य हासिल करने का प्रयास करें। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को ऋण प्रकरण गंभीरता और सावधानी से तैयार करने तथा बैंकों को समय पर भेजने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले के नक्सल प्रभावित रहे 100 गांवों के विकास में बैंकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन गांवों में लोगों को आसानी से बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा बैंक सीएसआर के तहत भी इन गावों के विकास कार्यों में सहयोग करें। उन्होंने बैंक अधिकारियों को आश्वस्त किया कि ऋण वसूली में जिला प्रशासन पूरा सहयोग करेगा।

नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ लोक आस्था का महापर्व छठ, घरों से घाटों तक दिखने लगी रौनक

चार दिनों तक चलेगा सूर्यदेव की उपासना का पर्व



जबलपुर,यशभारत। लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। पर्व को लेकर शहर में रहने वाले बिहार और उत्तर प्रदेश मूल के परिवारों में खासा उत्साह है। घरों से लेकर पूजा स्थलों तक तैयारियां दिखाई देने लगी हैं। जबलपुर में छठ पूजा का विस्तार अब किसी एक घाट या क्षेत्र तक सीमित नहीं है। नर्मदा के घाटों से लेकर शहर के अलग-अलग तालाबों और जलस्रोतों तक सूर्यदेव की आराधना की जा रही है।

छठ महासंघ के अनुसार शहर में करीब 18 स्थानों पर पूजा की व्यवस्था की गई है। छठ पर्व के पहले दिन नहाय-खाय पर व्रतियों ने स्नान और घरों की साफ-सफाई के बाद सात्विक भोजन ग्रहण कर व्रत का संकल्प लिया। वहीं गौरीघाट, तिलवाराघाट, भटौली घाट और अधारताल तालाब सहित अन्य प्रमुख घाटों और जलस्रोतों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। पूजा की तैयारियों और पर्व को लेकर लोगों में खासा उत्साह नजर आया। परिवार के सदस्य भी घाटों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं में जुटे रहे। शनिवार,14 नवंबर को पर्व के दूसरे दिन खरना होगा। इस दिन व्रती पूरे दिन उपवास रखकर शाम को पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद ग्रहण करेंगे। इसके बाद निर्जला व्रत शुरू होगा। रविवार, 15 नवंबर को छठ पूजा का मुख्य आयोजन होगा। व्रती दिनभर उपवास रखकर शाम को जलस्रोतों और घाटों पर पहुंचेंगे तथा अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे। बांस के सूप और टोकरी में फल, नारियल, ठेकुआ सहित पूजन सामग्री सजाकर सूर्यदेव की आराधना की जाएगी। सोमवार, 16 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय व्रत का समापन होगा।

शहर के 18 स्थानों पर होगी पूजा

जबलपुर में छठ पूजा का आयोजन शहर के अलग-अलग इलाकों में सामूहिक रूप से किया जाता है। छठ महासंघ की ओर से जारी प्रमुख पूजा स्थलों की सूची में गौरीघाट, तिलवाराघाट, भटौली घाट, अधारताल तालाब, हनुमानताल, पुराना कंचनपुर तालाब, रांझी एसएएफतालाब, मानेगांव तालाब और ईस्टलैंड खमरिया तालाब शामिल हैं। इसके अलावा घाना खमरिया तालाब, मढ़ई तालाब बिलपुरा, उदय नगर तालाब, तीन पुलिया न्यू कंचनपुर, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी महाराजपुर, चांदमारी तलैया, टेलीग्राफकॉलोनी रानीताल, गुलौआ चौक और संजीवनी नगर के शाही तालाब में भी पूजा की व्यवस्था की गई है।

अस्त और उदय होते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा

छठ पर्व में सूर्यदेव के साथ छठी मैया की पूजा का विशेष महत्व है। इस पर्व की खासियत है कि इसमें डूबते और उगते दोनों सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। श्रद्धालु संतान की सुख-समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और परिवार की खुशहाली की कामना के साथ कठिन निर्जला व्रत रखते हैं। चार दिनों तक चलने वाला यह पर्व आस्था, अनुशासन, स्वच्छता और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक है।

आज से शुरू हुआ मोतियाबिंद जांच अभियान, मेडिकल में होंगे ऑपरेशन

23 दिसंबर तक जिले के 14 स्थानों पर लगेंगे शिविर

जबलपुर,यशभारत। ग्रामीण क्षेत्रों में मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज द्वारा विशेष अभियान शुक्रवार से शुरू कर दिया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जिला अंधत्व नियंत्रण समिति और मेडिकल कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में 13 नवंबर से 23 दिसंबर तक जिले के विभिन्न विकासखंडों में नेत्र जांच शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों में जांच के दौरान मोतियाबिंद से पीड़ित पाए जाने वाले मरीजों को मेडिकल कॉलेज में निःशुल्क ऑपरेशन और लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा मिलेगी। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना और अधीक्षक डॉ. अरविंद शर्मा के निर्देशन में नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. पद्मिनी वरखेड़े के नेतृत्व में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर मरीजों की जांच कर रही है। अभियान का उद्देश्य उन जरूरतमंद मरीजों तक नेत्र चिकित्सा की सुविधा पहुंचाना है, जो आर्थिक या अन्य कारणों से समय पर उपचार नहीं करा पाते। इसके अलावा अस्पताल में रहने, भोजन, दवाइयों और लेंस प्रत्यारोपण का खर्च भी मरीजों से नहीं लिया जाएगा।

23 दिसंबर तक यहां लगेंगे शिविर

नवंबर में 13 नवंबर को बरगी, 16 नवंबर को सिहोरा, 19 नवंबर को मझौली, 25 नवंबर को पाटन, 27 नवंबर को पनागर और 30 नवंबर को शहपुरा में शिविर आयोजित होंगे। दिसंबर में 1 तारीख को बरेला, 3 को चरगवां, 7 को कुंडम, 10 को बेलखेड़ा, 14 को बरगी, 17 को मझगवां, 21 को सिहोरा और 23 दिसंबर को पाटन में जांच शिविर लगाए जाएंगे। मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों से निर्धारित तिथियों पर शिविरों में पहुंचकर आंखों की जांच कराने और इस निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है।

केलवा के पात पर उगेलन सुरुजदेव' एवं 'काँच ही बाँस के बहंगिया

पमरे के प्रमुख स्टेशनों पर गूंज रहे छठी मैया के पारंपरिक गीत



जबलपुर यशभारत। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर पश्चिम मध्य रेल द्वारा यात्रियों को पर्व की परंपरा, संस्कृति एवं उल्लास से जोड़ने के लिए विशेष पहल की गई है। इसके तहत जबलपुर, भोपाल एवं कोटा मंडलों के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से छठ महापर्व के पारंपरिक लोकगीतों का प्रसारण किया जा रहा है।

इन स्टेशनों में गीतों से वातावरण भक्तिमय हो रहा- जबलपुर मंडल के जबलपुर, मदन महल, कटनी, सतना, मैहर, नरसिंहपुर, पिपरिया, सागर, दमोह एवं रीवा, भोपाल मंडल के भोपाल, रानी कमलापति, इटारसी, बीना एवं गुना तथा कोटा मंडल के कोटा, गंगापुर सिटी, झालावाड़ सिटी, बारां, भरतपुर एवं सवाई माधोपुर सहित प्रमुख स्टेशनों पर छठी मैया के पारंपरिक गीतों से वातावरण भक्तिमय हो रहा है। 'केलवा के पात पर उगेलन सुरुजदेव' एवं 'काँच ही बाँस के बहंगिया' जैसे लोकप्रिय गीत विशेष रूप से बिहार एवं पूर्वांचल की ओर यात्रा कर रहे यात्रियों को अपनी संस्कृति और घर-परिवार से जुड़ाव का सुखद एहसास करा रहे हैं।



अनंत ब्राह्मण महासभा का परिचय सम्मेलन 15 को

जबलपुर, यशभारत। आगामी 15 नवंबर, रविवार को अनंत ब्राह्मण महासभा द्वारा जबलपुर में एक भव्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। संस्था के राष्ट्रीय संस्थापक एडवोकेट अखिलेश उपाध्याय और राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित के. के. शर्मा ने बताया कि इस सम्मेलन का पंजीयन पूर्णतया निःशुल्क रखा गया है। इस वर्ष पिछले वर्ष के मुकाबले युवतियों के प्रस्ताव अधिक प्राप्त हुए हैं, तथा बाहर से आने वाली युवतियों के ठहरने की निःशुल्क व्यवस्था महासभा द्वारा की गई है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और भगवान परशुराम के पूजन के साथ होगा, जिसके बाद उपस्थित युवक-युवतियों के बायोडाटा का वाचन किया जाएगा। इस अवसर पर 'स्नेह बंधन-2026' पत्रिका का विमोचन भी विशेष रूप से किया जाएगा। पंडित एस.के. पचौरी ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य योग्य जीवनसाथी की तलाश कर रहे युवाओं को सही मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम के अंत में दोपहर भोज और शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

पूर्व सैनिकों के आरक्षण का मुद्दा गरमाया, 40 हजार जवानों को नौकरी देने की मांग

मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव ने सरकार की नीति पर उठाए सवाल



भोपाल,यश भारत। मध्यप्रदेश में पूर्व सैनिकों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण और प्राथमिकता देने की मांग तेज हो गई है। सेवानिवृत्त मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव ने प्रदेश सरकार से पूर्व सैनिकों के हित में ठोस नीति बनाने की मांग की है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में वर्ष 2019 तक ग्रुप-सी में 10 प्रतिशत और ग्रुप डी में 20 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान था लेकिन नियमों में बदलाव के बाद पिछले छह वर्षों में महज 5 से 6 पूर्व सैनिकों को ही इसका लाभ मिला है। श्रीवास्तव के अनुसार प्रदेश में करीब 40 हजार पूर्व सैनिक रोजगार की तलाश में हैं। अधिकांश सैनिक 15 से 17 साल की सेवा के बाद 35 से 40 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्त हो जाते हैं। ऐसे में परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उन्हें रोजगार की आवश्यकता होती है। उन्होंने अग्निवीर योजना के तहत 25 प्रतिशत जवानों को नियमित करने और शेष 75 प्रतिशत के भविष्य पर भी सवाल उठाए।

नगर निगम की वर्कशॉप पर उठे सवाल, क्रेन से खींचकर ले जाई जा रहीं कचरा गाड़ियां

आधी से ज्यादा गाड़ियां खराब होने का आरोप, समय पर मेंटेनेंस नहीं होने से व्यवस्था पर उठे सवाल

भोपाल,यश भारत।



राजधानी में नगर निगम की कचरा गाड़ियों की बदहाल स्थिति सामने आने के बाद निगम की वर्कशॉप की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि खराब होने वाली कचरा गाड़ियों का समय पर मेंटेनेंस कराने के बजाय अब पूरी तरह बंद हो चुकी गाड़ियों को क्रेन की मदद से खींचकर ले जाना पड़ रहा है। इस स्थिति ने नगर निगम की वर्कशॉप में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर गाड़ियों का नियमित रखरखाव क्यों नहीं किया जा रहा, छोटी-मोटी खराबियों को समय रहते ठीक क्यों नहीं कराया जा रहा आरोप है कि नगर निगम की आधी से ज्यादा कचरा गाड़ियां खराब होकर बर्बादी की कगार पर पहुंच चुकी हैं। यदि समय रहते इन वाहनों का मेंटेनेंस किया जाता तो शायद इन्हें इस स्थिति तक पहुंचने से रोका जा सकता था। अब सवाल यह है कि जब नगर निगम के पास वाहनों के रखरखाव के लिए वर्कशॉप और कर्मचारी मौजूद हैं, तो फिर गाड़ियों को क्रेन से खींचकर ले जाने की नौबत क्यों आ रही है इस पूरे मामले में जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होना जरूरी है।

भाई दूज पर लाड़ली बहनों को मोहन सरकार का बड़ा तोहफा

शिवपुरी में सिंगल क्लिक से जारी हुई 42वीं किस्त

भोपाल, यशभारत।



मध्य प्रदेश की लाड़ली बहनों के लिए भाई दूज का दिन खुशियों की बड़ी सौगात लेकर आया। दीपावली के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिवपुरी जिले के पिछोर में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश की लाखों पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 1,831 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सफलतापूर्वक अंतरित कर दी है। भाई दूज के पावन अवसर पर सरकार की ओर से मिली इस आर्थिक सहायता से महिलाओं में भारी उत्साह देखा गया। लंबे समय से 42वीं किस्त का इंतजार कर रही महिलाओं के खातों में राशि पहुँचने से उन्हें घरेलू जरूरतों, बच्चों की पढ़ाई और अन्य आवश्यक खर्चों को पूरा करने में बड़ी राहत मिली है। शिवपुरी के पिछोर में हुए इस भव्य राज्यस्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर की हितग्राहियों को संबोधित करते हुए महिला सशक्तिकरण और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार के संकल्प को दोहराया। सरकार की इस प्रमुख योजना के तहत हर महीने सीधे बैंक खातों में राशि पहुँचने से महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत हो रही हैं।

पराली प्रबंधन को लेकर देर से जागा प्रशासन, खेतों में उतरकर जानी हकीकत

जबलपुर, यश भारत

खेतों में पराली (फसल अवशेष) प्रबंधन को लेकर यश भारत की खबरों का अब बड़ा असर देखने को मिला है। प्रशासनिक सुस्ती और संसाधनों की कमी पर सवाल उठने के बाद जिला कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा खुद एक्शन मोड में नजर आए और गुरुवार को मैदानी निरीक्षण के लिए निकल पड़े। उन्होंने पनागर विकासखंड के ग्राम उमरिया चौबे और ग्राम नुनिया कला पहुंचकर पराली प्रबंधन के कार्यों का जायजा लिया।

यशभारत
खबर का असर

ट्रैक्टर पर बैठकर देखी प्रक्रिया किसानों से की चर्चा

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने खेतों का भ्रमण कर फसल कटाई के बाद बचने वाले अवशेषों के प्रबंधन के कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खेत में स्वयं ट्रैक्टर पर बैठकर बेलर यूनिट से पराली संग्रहण के कार्य को करीब से देखा तथा सुपर सीडर एवं हैप्पी सीडर के माध्यम से बिना पराली जलाए बोनी किए जाने की प्रक्रिया का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने किसानों से सीधे चर्चा कर पराली प्रबंधन के लिए अपनाई जा रही तकनीकों और उनके अनुभवों की जानकारी ली। उन्होंने किसानों को समझाइश दी कि पराली जलाने से खेत की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है। फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन कर आधुनिक कृषि यंत्रों के माध्यम से बिना पराली जलाए अगली फसल की बोनी की जा सकती है।

कृषि यंत्र संचालकों और अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

कलेक्टर ने मौके पर मौजूद बेलर यूनिट एवं कृषि यंत्र संचालकों से भी संवाद किया। इस दौरान किसानों और संचालकों ने कृषि कार्यों के लिए आवश्यक संसाधनों की समय पर उपलब्धता तथा खेतों में नमी की स्थिति के अनुसार बोनी करने में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों से उन्हें अवगत कराया। किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे कृषक संगठनों के साथ बैठक कर किसानों की समस्याओं पर चर्चा करें और उनके समाधान के लिए समन्वित प्रयास करें। उन्होंने किसानों को पराली प्रबंधन के लिए समय पर बेलर यूनिट उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।



कलेक्टर ने कहा कि किसानों की बोनी समय पर सुनिश्चित करने के साथ फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन भी जरूरी है। इसके लिए किसानों, कृषि विभाग और कृषि यंत्र संचालकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए ताकि खेती को लाभकारी बनाने के साथ पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य को भी हासिल किया जा सके। निरीक्षण के दौरान ग्रामीण एसडीएम कलावती ब्यारे, कृषि यंत्री जीसी मर्सकोले, कृषि उप संचालक उमेश कटहरे तथा संबंधित अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।



दीनदयाल रसोई में परखी भोजन की गुणवत्ता

जबलपुर, यशभारत।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत जबलपुर कैंट विधानसभा क्षेत्र में अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का दौरा जारी रहा। इसी क्रम में विधायक अशोक रोहाणी और महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय तथा नगर निगम आयुक्त अग्रिम कुमार के साथ बड़ा पत्थर, रांझी स्थित दीनदयाल अंत्योदय रसोई का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने रसोई में भोजन करने वाले आम नागरिकों से सीधे संवाद कर व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया और मिलने वाले खाने की गुणवत्ता को परखा। हालात का जायजा लेने के बाद सभी ने रसोई के अंदर पहुंचकर खाना बनने की प्रक्रिया को भी देखा। खास बात यह रही कि औपचारिकता निभाने के बजाय इन सभी ने आम जनता के साथ जमीन पर बैठकर खुद भी वही भोजन किया, जिससे भोजन की असल गुणवत्ता और स्वाद सीधे तौर पर परखा जा सके।

स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा

इसी दौरे की अगली कड़ी में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत ही अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का दल शहीद भगत सिंह वार्ड क्रमांक 63 के अंतर्गत सर्रा पीपल पहुंचा। यहां स्थित मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक का निरीक्षण करते हुए स्थानीय स्तर पर मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत टटोली गई। दौरे के दौरान क्लीनिक में मरीजों के लिए उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, डॉक्टरों की उपलब्धता और आम नागरिकों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तार से जानकारी ली गई, ताकि क्षेत्र के लोगों को बेहतर इलाज सुलभ हो सके।

स्पीड ब्रेकर की मांग पर भी विभाग मौन, हर रोज हो रही घटनाएं, बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा प्रशासन?

सड़कें बनी मौत का ट्रैक, बेलगाम रफ्तार पर ब्रेक लगाने वाला कोई नहीं!

गोटेगांव यश भारत।। नगर की सड़कों पर सुरक्षा के इंतजाम भगवान भरोसे छोड़ दिए गए। सड़कों पर वाहन चालक ऐसे रफ्तार भर रहे हैं, जैसे रेस का मैदान हो। न स्पीड ब्रेकर है, न संकेतक, न ज़ेब्रा क्रॉसिंग। नतीजा हर रोज छुटपुट घटनाएं, लोग गिर रहे हैं, घायल हो रहे हैं, अस्पताल पहुंच रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग कानों में रूई डाले बैठा है।नगरवासियों का साफ कहना है कि प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है क्या? जब कोई बड़ा हादसा होगा, किसी की जान जाएगी, तब जाकर विभाग की नींद खुलेगी? यह लापरवाही नहीं तो और क्या है।

तहसील कार्यालय के पास सबसे खतरनाक स्थिति

सबसे ज्यादा खतरनाक स्थिति स्टेशन रोड स्थित तहसील कार्यालय के पास है। यहां एसबीआई बैंक के सामने दिनभर लोगों का जमावड़ा लगा रहता है। तहसील में काम के लिए आने वाले किसान, महिलाएं, बुजुर्ग, दिव्यांग और स्कूली बच्चे इसी रास्ते से गुजरते हैं। बैंक के बाहर खड़े वाहन और तेज रफ्तार से निकलती बाइकें हर पल हादसे को न्योता दे रही हैं।

लोगों का कहना है कि यहां तो स्पीड ब्रेकर होना ही चाहिए था, लेकिन विभाग ने सड़क बनाते समय इस ओर ध्यान ही नहीं दिया।



कॉलेज के सामने छात्र-छात्राओं की जान खतरे में

दूसरा सबसे संवेदनशील स्थान झोतेश्वर मार्ग पर स्थित शासकीय ठाकुर निरंजन सिंह महाविद्यालय के सामने है। यहां सैकड़ों छात्र-छात्राएं रोजाना पढ़ने आते हैं। कॉलेज के सामने से गुजरने वाले वाहन इतनी तेज रफ्तार में निकलते हैं कि छात्र-छात्राओं को सड़क पार करने में जान हथेली पर रखनी पड़ती है। अभिभावकों में भी इसको लेकर भारी चिंता है। उनका कहना है कि कॉलेज, स्कूल के सामने स्पीड ब्रेकर अनिवार्य होना चाहिए, लेकिन यहां तो उल्टा है। प्रशासन को बच्चों की सुरक्षा की कोई चिंता ही नहीं है।

नगर के अन्य चिन्हित क्षेत्रों में भी यही हाल

केवल यही दो जगह नहीं, नगर के अन्य दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में भी यही स्थिति है। बाजार क्षेत्र, चौराहों, मोड़ों, स्कूलों, अस्पतालों और धार्मिक स्थलों के पास भी स्पीड ब्रेकर नहीं हैं। जहां-जहां भीड़ रहती है, वहीं सबसे ज्यादा खतरा है।स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार दोपहिया वाहन चालक तेज रफ्तार के कारण फिसलकर गिर चुके हैं। बुजुर्ग और महिलाएं सड़क पार करते समय डर जाती हैं। रात के समय तो स्थिति और भी भयावह हो जाती है।

जनता की मांग - तुरंत लगें स्पीड ब्रेकर

नगर की जनता जनार्दन ने संबंधित विभाग से मांग की है कि स्टेशन रोड स्थित तहसील कार्यालय के पास, एसबीआई बैंक के सामने, झोतेश्वर मार्ग पर महाविद्यालय के सामने सहित नगर के अन्य सभी दुर्घटना संबंधित चिन्हित क्षेत्रों में तत्काल स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं।साथ ही स्पीड ब्रेकर के साथ-साथ आवश्यक संकेतक बोर्ड, सफेद पट्टियां और रिफ्लेक्टर भी लगाए जाएं, ताकि रात में भी चालकों को स्पीड ब्रेकर दिखाई दे और कोई हादसा न हो।जनता का कहना है कि यह कोई राजनीतिक मांग नहीं है, यह जान-माल की सुरक्षा का सवाल है। यह जनता के हित में न्यायोचित मांग है, जिसे विभाग को तुरंत पूरा करना चाहिए।

अब गेंद प्रशासन के पाले में

अब देखना यह है कि खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन जागता है या फिर किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही कार्रवाई होगी। नगरवासियों ने चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि यदि जल्द ही स्पीड ब्रेकर नहीं लगाए गए, तो वे आंदोलन के लिए भी मजबूर होंगे।



घर में घुसकर मारपीट, गांव से भगाने की धमकी का आरोप

गोटेगांव यशभारत। थाना मुंगवानी क्षेत्र के ग्राम सिवनी बंधा के पाठक परिवार ने पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर को आवेदन देकर गांव के ही तीन लोगों पर घर में घुसकर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। परिवार ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। आवेदक राजेन्द्र पाठक पिता पतिराम पाठक, ममता बाई पाठक पत्नी राजेन्द्र पाठक, मनोज पाठक पिता राजेन्द्र पाठक, सभी निवासी ग्राम सिवनी बंधा, थाना मुंगवानी, तहसील गोटेगांव, जिला नरसिंहपुर अनावेदकगण आवेदन के अनुसार संतराम ठाकुर पिता सीताराम ठाकुर, नैतिक ठाकुर पिता सीताराम ठाकुर, संतराम ठाकुर की पत्नी, सभी निवासी ग्राम सिवनी बंधा।आवेदकों का आरोप है कि अनावेदकगण पिछले 3-4 वर्षों से उन्हें लगातार परेशान-प्रताड़ित करते आ रहे हैं। पूर्व में भी अनावेदकों द्वारा मनोज पाठक के खिलाफ झूठे आधार पर एस.सी./एस.टी. एक्ट व मारपीट का मामला बनवाया गया था, जो प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।



ट्रक की टक्कर से मौत, मक्का बेचने मंडी जा रहे थे हरिचरण जाट

नरसिंहपुर यशभारत। ग्राम कुकवारा निवासी श्री हरिचरण जाट उर्फ मंजू का बीते दिनों सुबह सड़क दुर्घटना में दुखद निधन हो गया। वे लगभग 52 वर्ष के थे। उनके असामयिक निधन से ग्राम कुकवारा सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 5 बजे हरिचरण जाट ट्रैक्टर से मक्का बेचने मंडी जा रहे थे। इसी दौरान फोरलेन पर ग्राम बांसकुवारी के समीप पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनके ट्रैक्टर को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में वे गंभीर रूप से घायल हो गए और कुछ ही देर बाद उन्होंने दम तोड़ दिया।स्वर्गीय हरिचरण जाट, चंद्रभान सिंह जाट के पुत्र तथा कालीचरण एवं स्वदेश जाट के भाई थे। उनका अंतिम संस्कार गृह ग्राम कुकवारा में किया गया।उनके निधन पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं ग्रामवासियों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की है।



गुर्रा में 15 नवंबर को होगा जनजाति गौरव दिवस का भव्य आयोजन

भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण

नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव में जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर ग्राम गुर्रा ग्राम पंचायत भामा में भव्य आयोजन होने जा रहा है। आयोजक्कर्ताओ ने श्रेया होटल में प्रेस वार्ता कर दी जानकारी कार्यक्रम में भगवान बिरसा मुंडा जी की प्रतिमा का अनावरण, जनजाति सांस्कृतिक समागम एवं दिल्ली वन बंधु विशेषांक का विमोचन किया जाएगा।

आयोजक जनजाति गौरव दिवस समिति जिला नरसिंहपुर के अनुसार कार्यक्रम 15 नवंबर दिन रविवार को दोपहर 12 बजे से ग्राम गुर्रा में आयोजित होगा। कार्यक्रम में वनवासी ग्रामवासी नगरवासी हम सब भारतवासी के भाव के साथ बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है।

कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार रहेगी

संतों का सान्निध्य एवं अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में परम पूज्यनीय संत धर्माचार्य श्रद्धेय ब्रह्मचारी अचलानंदजी महाराज, परमहंसी गंगा आश्रम झोतेश्वर का सान्निध्य प्राप्त होगा।

मुख्य अतिथि के रूप में प्रहलाद सिंह पटेल, पंचायत, ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्रालय म.प्र. शासन एवं सांसद फगनसिंह कुलस्ते उपस्थित रहेंगे। अध्यक्षता प्रकाश उइके पूर्व न्यायाधीश राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय आदिमजाति सेवक संघ नई दिल्ली एवं वरिष्ठ सलाहकार, राष्ट्रीय अनु. जनजाति आयोग नई दिल्ली करेंगे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में सुभाष बडोले क्षेत्रीय संगठन मंत्री वनवासी विकास परिषद म.प्र. छ.ग. केन्द्र भोपाल जालमसिंह पटेल, पूर्व राज्यमंत्री म.प्र. शासन एवं प्रदेश अध्यक्ष लोधी क्षत्रिय समाज तथा महेन्द्र नागेश विधायक गोटेगांव हाकम सिंह चढार पूर्व विधायक रामस्नेही पाठक जिला अध्यक्ष श्रीमती आरती सतीश पटेल जनपद अध्यक्ष उपस्थित रहेंगे।

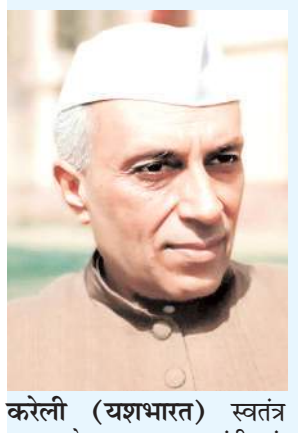
श्रीराम मंदिर परिसर में जारी है श्रीमद्भागवत कथा पुराण..

करेली (यशभारत) श्री राम मंदिर प्रांगण में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन गत 12 नवंबर से 18 नवंबर तक दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक भागवत कथा व्यास पंडित श्री अमित शास्त्री करौंदा की अमृतवाणी से यजमान धनीराम सेन इमलिया व धर्म प्रेमीजन कथा श्रवण कर रहे हैं। कथा के प्रथम दिवस में आरती पूजन भजन किया गया कथा व्यास अमित शास्त्री ने प्रवचन में कहा की भागवत कथा करने का भाग्य उसे ही मिलता है जब भगवान की इच्छा होती है कथा सुनने का पुण्य कब मिलता है जब आप शांत मन से श्रवण करेंगे भागवत कथा का महत्व बताते हुए कहा कि इसमें ज्ञान भक्ति यज्ञ उपवास सभी का उचित समय है भागवत कथा मंगल कारी है यह सात पीढ़ियों को तारने वाली है इसके सुनने से ज्ञान भक्ति वैराग्य मिलता है । 7 दिन कथा में आप नियम संयम का पालन कर उपवास में फल खाएं और भोजन में प्याज लहसुन ना खाए व्यास जी के इस भजन जय जय राम कथा जय जय कृष्ण कथा इसे श्रवण कर मिट जाती है जन्म-जन्म की व्यथा आरती पूजन के बाद प्रसाद वितरण किया गया।



बाल दिवस पर शैक्षणिक संस्थानों में विविध कार्यक्रम आज..

व्यंजनों की महक से महकेगा आज नगर..



करेली (यशभारत) स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिन 'बाल दिवस' आज सारे नगर में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर नगर के शैक्षणिक संस्थानों में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

सरस्वती शिशु मंदिर में लगेगा व्यंजन मेला..

आजसरस्वती इंग्लिश स्कूल, बसखेड़ा स्थित परिसर में व्यंजन मेले का आयोजन किया गया है। बीएसएल पब्लिक स्कूल मे होगे सांस्कृतिक कार्यक्रम..

नगर के प्रमुख शैक्षणिक संस्थान बीएसएल पब्लिक स्कूल में बाल दिवस पर आज 4 बजे से विद्यालयीन बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जायेगी। साथ ही मौके पर व्यंजन मेला भी सजाया जा रहा है। विद्यालय निर्देशक चेतन लूनावत, प्राचार्य मिथिलेश राजौरिया ने सभी लोगों से उपस्थित होने का आग्रह किया है।

शांति निकेतन विद्यालय में लग रहा व्यंजन मेला..

नगर के महेंद्र सिंह किलेदार वार्ड आशीष नगर कॉलोनी में शांति विद्या निकेतन विद्यालय परिसर में आज बाल दिवस के मौके पर व्यंजन मेले का आयोजन दोपहर 12 से सायंकाल 5 बजे तक किया गया है। विद्यालय संचालक अनुराग वर्मा सहित अनुराग पटेल एवं शिक्षक शिक्षिकाओं ने सभी से उपस्थिति का आग्रह किया है।

शासकीय बालिका छात्रावास में भव्यता से मनेगा बाल दिवस..

नगर के जयप्रकाश वार्ड स्थित शासकीय बालिका छात्रावास में भी बाल दिवस के मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन दोपहर 01 बजे से किया गया है। छात्रावास अधीक्षिका सुश्री श्रीलेखा शर्मा ने बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु सभी लोगों से उपस्थिति का आग्रह किया है।

जन्मदिन पर पौधारोपण कर वेदांत ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश..



करेली (यशभारत) बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के लिए बचपन से ही पौधारोपण एवं पौधों के संरक्षण की प्रेरणा देना आवश्यक है। वेदांत ने अपने दादा किशनचन्द्र वाजपेयी एवं पिता कमलेश वाजपेयी के सानिध्य में नर्मदा नगर स्थित शिव मंदिर परिसर में पारिजात, पीपल एवं बेलपत्र के पौधों का रोपण किया।जन्मदिन पर पारंपरिक उत्सव और उपहारों के साथ प्रकृति को उपहार देने की यह पहल सराहनीय रही। वेदांत का यह प्रयास अन्य बच्चों के लिए भी प्रेरणादायी है कि वे अपने विशेष दिनों को पौधारोपण जैसे सकारात्मक कार्यों से जोड़कर पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी निभाएं।एक पौधा, एक संकल्प और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का यह छोटा सा प्रयास भविष्य के लिए बड़ी सीख है।

राजीनामा का दबाव बनाकर मारपीट और धमकी देने का आरोप, पीड़ित परिवार ने एसपी से की कार्रवाई की मांग



गोटेगांव। थाना ठेमी क्षेत्र के ग्राम मेख के एक परिवार ने पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर को आवेदन देकर गांव के ही तीन लोगों पर पुराने प्रकरण में राजीनामा का दबाव बनाने, मारपीट करने, धमकाने और झूठा प्रचार करने का आरोप लगाया है। परिवार ने निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है। आवेदक देवका बाई चौधरी पति सीताराम चौधरी, उम्र लगभग 68 वर्ष, सत्यनारायण चौधरी उर्फ बबलू चौधरी पिता सीताराम चौधरी, उम्र लगभग 33 वर्ष, चंदन चौधरी पिता उमराव चौधरी, उम्र लगभग 38 वर्ष। सभी निवासी ग्राम मेख, ने अनावेदकगणो के खिलाफ आवेदन के अनुसार मुनीम पटेल पिता स्व. तेजबल पटेल, उम्र लगभग 50 वर्ष, प्रीतम पटेल पिता तुलसीराम पटेल, उम्र लगभग 48 वर्ष, ब्रजेश पटेल पिता अन्नीलाल पटेल, उम्र लगभग 35 वर्ष। सभी निवासी ग्राम मेख, थाना ठेमी।

आवेदन में बताया गया है कि आवेदकगण अनुसूचित जाति वर्ग के हैं और ग्राम मेख के स्थायी निवासी हैं।

पुराने प्रकरण में राजीनामा के दबाव का आरोप

आवेदन के अनुसार, आवेदक क्रमांक 3 चंदन चौधरी द्वारा दिनांक 14.03.2025 को पुलिस थाना ठेमी में अनावेदकगण के विरुद्ध अपराध क्रमांक 0145/2025 पंजीबद्ध कराया गया था। आवेदकों का आरोप है कि उक्त मामले में बाद में अनावेदक क्रमांक 2 प्रीतम पटेल को भी आरोपी बनाया गया। यह प्रकरण गोटेगांव न्यायालय में

आवेदकों का आरोप है कि इस लंबित प्रकरण में राजीनामा का दबाव बनाने एवं सीएम हेल्प लाइन पर दर्ज शिकायत क्रमांक 41514912 दिनांक 09.11.2026 को बंद कराने हेतु अनावेदकगण द्वारा गांव के लोगों को गुमराह किया जा रहा है।

9 नवंबर की घटना का आरोप

आवेदन के अनुसार, दिनांक 09.11.2026 को दिन में लगभग 11.00 बजे अनावेदकगण द्वारा आवेदक क्रमांक 2 सत्यनारायण चौधरी उर्फ बबलू चौधरी पर हमला कराया गया। आरोप है कि दरगाह वाले घर के सामने मुनीम पटेल के घर के पीछे वाली कुलिया में हाथ-लात, घूंसों और हाथ में पहनने वाले कड़े व कमर के बेल्ट से मारपीट की गई।

आवेदकों का यह भी आरोप है कि इसके बाद आवेदक को ही थाना ठेमी ले जाकर लगभग 12 बजे से 3-4 बजे तक बैठाया गया और धमकाया गया। जब उनकी मां आवेदक क्रमांक 1 देवका बाई और सत्यवान चौधरी थाने पहुंचे, तो उन्हें भी गाली-गलौज कर थाने से भगा दिया गया।

साहू समाज का दीपावली मिलन समारोह 15 नवंबर को

गोटेगांव साहू समाज उत्थान मंडल गोटेगांव द्वारा दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। समारोह दिनांक 15 नवंबर 2026, दिन रविवार को दोपहर 1 बजे से साहू समाज सामुदायिक भवन, संगम गार्डन के सामने, बगासपुर रोड बाईपास के पास आयोजित होगा।आयोजकों ने बताया कि दीपावली मिलन समारोह का उद्देश्य समाज के सभी स्वजातीय बंधुओं को एक मंच पर लाकर आपसी एकता, प्रेम और भाईचारा को मजबूत करना है। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों, महिलाओं एवं युवाओं की विशेष उपस्थिति रहेगी।समारोह में सामाजिक एकता, संगठन की मजबूती एवं समाज के विकास से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की जाएगी। आयोजकों ने सभी स्वजातीय बंधुओं से अपील की है कि दीपावली मिलन समारोह में अपनी उपस्थिति अवश्य दर्ज कराएं, क्योंकि आपकी उपस्थिति से ही संगठन की सफलता और सामाजिक एकता मजबूत होगी।आयोजक समस्त साहू समाज ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी समाजजनों से सहयोग की अपील की है।

देव लक्ष्मीनारायण मंदिर परिसर मे भंडारे प्रसाद एवं कडी चांवल का वितरण..



करेली (यशभारत) नगर के ह्रदय स्थल में विराजमान सिध्द देव लक्ष्मीनारायण मंदिर मे गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी अन्नकूट के पावन पर्व पर विशाल ऐतिहासिक गोवर्धन भगवान की पूजा मंदिर के आचार्य पंडित राजेश भारद्वाज एवं आचार्य पंडित प्रशांत अवस्थी के सानिध्य में विधि-विधान मंत्रो के साथ पूजा के मुख्य जजमान गोपाल दास मरेले के द्वारा पूजा हर्षोल्लास वातावरण में संपन्न हुई तत्पश्चात महाआरती का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के अगले चरण में छप्पन भोग लगाकर भक्तो को प्रसाद वितरण का शुभारंभ हुआ जो रात्रि एक बजे संगीतमय वातावरण मे चला।इस अवसर पर देव लक्ष्मीनारायण मंदिर ट्रस्ट के बद्री प्रसाद गुप्ता के विशेष आशीर्वाद के साथ शम्भू गुप्ता अध्यक्ष, शैलेष गुप्ता सचिव तथा ट्रस्ट के सभी सदस्यो के साथ सभी समाजिक बन्धुओ अथक सहयोग के चलते यह ऐतिहासिक कार्यक्रम सम्पन्न हो सका जिसके चलते नगर के सभी श्रध्दालु भक्तों ने मंदिर परिसर मे पहुँच कर प्रसाद ग्रहण कर कडी चावंल का प्रसाद प्राप्त कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया।

जल जीवन मिशन के कार्यों में धीमी प्रगति पर कलेक्टर ने जताई नाराजगी

ठेकेदारों पर पेनाल्टी और ब्लैकलिस्ट की कार्रवाई होगी, पूर्ण योजनाओं का पंचायतों को शीघ्र हस्तांतरण करें



नरसिंहपुर कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के अंतर्गत जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पायली जल समूह योजना एवं जिले में संचालित एकल नलजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि पायली जल समूह योजना के तहत फरवरी 2027 में ग्राम खुर्सीपार, उसरी, उमरिया, चंडाल डुंगरिया सहित अन्य ग्रामों में तथा मार्च 2027 तक समूह योजना के माध्यम से जलप्रदाय प्रारंभ करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।कलेक्टर ने निर्देश दिए कि संबंधित ग्राम पंचायतों में योजना के संधारण एवं हस्तांतरण की प्रक्रिया का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। ग्राम पंचायतों द्वारा योजनाओं का क्रियान्वयन एवं संधारण किस प्रकार किया जाएगा, इसकी विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग नरसिंहपुर को प्रेषित की जाए।

754 योजनाएं पूर्ण, शेष पर तेजी लाने के निर्देश

कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले में कुल 890 एकल नलजल योजनाओं में से 754 योजनाओं का कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा शेष योजनाओं के कार्य प्रगतिरत हैं। कलेक्टर ने पूर्ण हो चुकीं लेकिन अभी तक ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित नहीं की गई योजनाओं को शीघ्र हस्तांतरित करने के निर्देश दिए, ताकि ग्राम पंचायतों के माध्यम से उनका नियमित संचालन एवं संधारण किया जा सके।

7 ठेकेदारों की धीमी प्रगति पर नाराजगी

जल जीवन मिशन के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के दौरान मेसर्स एलेक्ट्रा कंस्ट्रक्शन बिहार, मेसर्स सिनाया इन्फा नरसिंहपुर, मेसर्स वैभव कंस्ट्रक्शन बिहार, मेसर्स आर.एस. चौहान, मेसर्स नेह सुमन चौबे जबलपुर, मेसर्स गौरव ट्रेडर्स शाजापुर एवं मेसर्स विनायका एसोसिएट्स शिवपुरी द्वारा कार्यों में धीमी प्रगति पाए जाने पर कलेक्टर ने संबंधित ठेकेदारों, उपयंत्रियों एवं सहायक यंत्रियों के प्रति नाराजगी व्यक्त की।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी संबंधित ठेकेदार निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण कराएं। कार्यों में लापरवाही एवं अनावश्यक विलंब करने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध पेनाल्टी लगाने तथा ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के कार्यों की सतत निगरानी करने तथा प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए।

श्रेयस अय्यर सबसे कम एकदिवसीय खेलकर कप्तानी हासिल करने वाले खिलाड़ियों में शामिल



माउंट माउंगानुई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे एकदिवसीय मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तानी संभालते ही एक रिकार्ड अपने नाम किया है। वह एकदिवसीय प्रारुप में कमान संभालने वाले 29 वें कप्तान बने है। यह पहली बार है जब उन्होंने 50 ओवर के प्रारूप में टीम की बागडोर संभाली है। इस अहम भूमिका को निभाने से पहले, श्रेयस ने भारतीय टीम की ओर से 85 एकदिवसीय मैच खेले थे। इस प्रकार वह सबसे कम मैच खेलकर कप्तानी हासिल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गये हैं।

श्रेयस का 85 मैचों के बाद ही एकदिवसीय में कप्तानी संभालना भारतीय क्रिकेट इतिहास में एक रोचक आंकड़ा पेश करता है। भारतीय टीम के कई दिग्गज खिलाड़ियों ने पहली बार एकदिवसीय कप्तानी संभालने से पहले 100 या उससे भी अधिक मैच खेले थे। इस सूची में सबसे ऊपर भारतीय क्रिकेट के महान स्पिनर अनिल कुंबले हैं, जिन्होंने 217 एकदिवसीय मैच खेलने के बाद पहली बार भारत की कमान संभाली थी। इस सूची में वीरेंद्र सहवाग ने सबसे कम 70 एकदिवसीय खेलकर कप्तानी की थी, जबकि हार्दिक पंड्या ने 71 एकदिवसीय खेलने के बाद यह जिम्मेदारी संभाली थी। वहीं महेन्द्र सिंह धोनी ने 81 और सुरेश रैना ने 90 मैच खेलकर कप्तानी संभाली थी। इस तरह, 85 वनडे खेलने के बाद कप्तान बने श्रेयस अय्यर, धोनी (81) और रैना (90) के बीच में आते हैं। दिलीप वेंगसरकर और मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 98-98 एकदिवसीय खेलने के बाद कप्तानी हासिल की थी। रोहित शर्मा ने 171 एकदिवसीय , शिखर धवन ने 142 एकदिवसीय और राहुल द्रविड़ ने 138 एकदिवसीय खेलने के बाद इस प्रारुप में कप्तानी हासिल की थी। अजय जड़ेजा ने भी 129 एकदिवसीय खेलकर कप्तानी की भूमिका संभाली थी।वहीं, महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 119 एकदिवसीय, सौरव गांगुली और के. श्रीकांत ने 111-111 एकदिवसीय, जबकि विराट कोहली ने 104 और गौतम गंभीर ने 100 एकदिवसीय खेलने के बाद ही पहली बार टीम की बागडोर संभाली थी।

डेब्यू मैच में 28 गेंदों में 5 विकेट; 21 साल के महली बियर्डमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ मचाई तबाही

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया वर्सेस इंग्लैंड पहला वनडे पर्थ में खेला जा रहा है। इस मैच में 21 साल के ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन महफिल लूट ले गए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ मात्र 28 गेंदों में अपना 5 विकेट हॉल लिया। वह डेब्यू मैच में 5 विकेट हॉल लेने दुनिया के 18वें और ऑस्ट्रेलिया के मात्र दूसरे ही गेंदबाज बने हैं। महली बियर्डमैन से पहले ऑस्ट्रेलिया के लिए 1988 में टोनी डोडेमेड ने श्रीलंका के खिलाफ पहली बार यह कारनामा किया था। वहीं दुनिया में ऐसा श्रीलंका के उवैस करनैन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 1984 में किया था। ऐसा नहीं है कि महली ने पुछल्ले बल्लेबाजों के विकेट चटकाए हो, उनके इस 5 विकेट हॉल में जो रूट से लेकर हैरी ब्रूक जैसे धकाड़ बल्लेबाज मौजूद हैं। उन्होंने इन दोनों के अलावा सैम करन, लियाम डेवसन और जॉर्डन क्रॉक का विकेट चटकाया।

महली बियर्डमैन ने अपने वनडे करियर की शुरुआत मेडन ओवर से की थी। दूसरे ओवर में उन्होंने हैरी ब्रूक का तो तीसरे ओवर में जो रूट का विकेट चटकाया। इसके बाद उन्हें चौथे ओवर में जॉर्डन क्रॉक और सैम कुर्रन के रूप में 2 विकेट मिले। उन्होंने अपना 5 विकेट हॉल पांचवें ओवर में ही लियाम डेवसन का विकेट लेकर पूरा किया।

- पहले ओवर में मेडन।
- दूसरे ओवर में 1 विकेट।
- तीसरे ओवर में 1 विकेट।
- चौथे ओवर में 2 विकेट।
- पांचवें ओवर में 1 विकेट।

महली बियर्डमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ7.4 ओवर में मात्र 24 रन खर्च कर कुल 6 विकेट चटकाए। उनके इस धाकड़ प्रदर्शन के दम पर इंग्लैंड की पूरी टीम 131 रनों पर ही सिमट गई। महली ने जोफ्रा आर्चर के रूप में अपना 6ठा विकेट लिया।



आईपीएल 2027 मिनी नीलामी के लिए मुस्तफिजुर सहित सात बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने नाम दिये

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 के आगामी मिनी नीलामी में इस बार बांग्लादेश के 7 खिलाड़ी शामिल है। जिसमें एक नाम तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान का भी है। ये वही मुस्तफिजुर रहमान हैं, जो पिछले सत्र में विवादों में रहने के कारण आईपीएल से बाहर कर दिये गये थे। पिछले साल, आईपीएल 2026 से पहले, कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुस्तफिजुर को अपनी टीम में शामिल किया था। हालांकि, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों की खबरों के मद्देनजर उपजे विरोध प्रदर्शनों के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के हस्तक्षेप के बाद, फ्रेंचाइजी ने सीजन की शुरुआत से पहले ही मुस्तफिजुर को बाहर कर दिया



था। इस घटना ने दोनों देशों के क्रिकेट संबंधों में काफी खटास पैदा कर दी थी और एक बड़ा राजनीतिक-सामाजिक विवाद खड़ा हो गया था। इस घटना के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की तरफ से भी कड़ी प्रतिक्रिया देखने को मिली थी। भारत द्वारा 2026 टी20 विश्व कप की मेजबानी का बांग्लादेश ने बहिष्कार किया था।

अब, लगभग दस महीने बाद हालातों में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। आगामी आईपीएल 2027 सीजन के लिए 16 दिसंबर को होने वाले मिनी निलामी के लिए बीसीसीआई ने विभिन्न क्रिकेट बोर्ड्स से खिलाड़ियों की सूची मांगी थी, जिसमें बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड भी शामिल रहा। ऐसे में एक रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के सात खिलाड़ियों ने इस नीलामी के लिए अपना नाम पंजीकृत कराया है। इसमें मुस्तफिजुर रहमान के अलावा, नाहिद राणा, रिशाद हुसैन, हसन महमूद, तौहीद हृदोय, तस्कीन अहमद और शोरफुल इस्लाम शामिल हैं।आईपीएल प्रबंधन की तरफसे नीलामी में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की आधिकारिक सूची अभी जारी नहीं की गई है। इस सूची को जारी होने में अभी कुछ वक्त लगेगा, क्योंकि सभी 10 फ्रेंचाइजी पहले अपने रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची जारी करेंगी और रिलीज किए गए खिलाड़ी भी ऑक्शन पूल का हिस्सा बनेंगे।

चीन में पहली बार खेली जाएगी लीजेंड्स टी20 क्रिकेट लीग

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में पहली बार क्रिकेट लीग शुरु होने जा रही है। इससे देश में क्रिकेट को व्यापक पहचान मिलने की उम्मीद है। विश्व चैंपियनशिप ऑफ क्रिकेट (डब्ल्यूसीसी) ने चीन के डोंग्यूहुई स्पोर्ट्स के साथ मिलकर देश की अपनी तरह की पहली फ्रेंचाइजी आधारित लीजेंड्स टी20 लीग शुरू करने की घोषणा की है। आठ टीमों वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का पहला संस्करण मई 2027 में आयोजित किया जाएगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के कई दिग्गज पूर्व क्रिकेटर भाग लेंगे। यह कदम चीन में क्रिकेट के विस्तार और विकास के लिए बेहद अहम माना जा रहा है, जो खेल को एक नए बाजार में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा क्रिकेट के लिए नए बाजारों की तलाश और लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी को देखते हुए भी इस लीग का महत्व बढ़ जाता है। खेल जानकारों का मानना है कि यह लीग चीन में क्रिकेट के विकास को गति देने और खेल को नए दर्शकों



तक पहुंचाने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। इस महत्वाकांक्षी पहल की नींव अक्टूबर 2026 में डब्ल्यूसीसी और डोंग्यूहुई स्पोर्ट्स के बीच हुए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) से रखी गई थी। गौरतलब है कि डोंग्यूहुई स्पोर्ट्स, जियांग्सू प्रांत के ताइचांग स्थित शाक्सी टाउन क्रिकेट सेंटर का संचालन करता है, जो अपनी स्थानीय विशेषज्ञता और उत्कृष्ट खेल सुविधाओं के माध्यम से चीन के बढ़ते खेल बाजार तक विश्वस्तरीय क्रिकेट पहुंचाने में सहायक साबित होगा। वहीं, डब्ल्यूसीसी का संचालन अनुभवी प्रमोटर्स द्वारा किया जा रहा है, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय फ्रेंचाइजी आधारित खेल प्रतियोगिताओं के विकास और संचालन का व्यापक अनुभव है।

रंग संसार

सलमान की मातृभूमि के ट्रेलर में दिखा दमदार एक्शन



बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की आगामी फिल्म मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस का ट्रेलर जारी हो गया है। फिल्म में देशभक्ति, सैनिकों के बलिदान और युद्ध के मानवीय पहलुओं को दिखाया गया है। ट्रेलर में सलमान खान एक ऐसे सैनिक की भूमिका में नजर आ रहे हैं, जो देश की रक्षा के लिए हर चुनौती का सामना करने को तैयार है। फिल्म में एक्शन के साथ भावनात्मक दृश्यों को भी प्रमुखता दी गई है। ट्रेलर की शुरुआत दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्रों में शामिल एक बर्फीले इलाके से होती है। यहां हिमस्खलन के खतरनाक दृश्य दिखाई देते हैं। इसी बीच चीनी सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा के भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की तैयारी करते नजर आते हैं। इसके बाद सलमान खान की दमदार एंट्री होती है। वह एक अनुभवी और बहादुर सैनिक के किरदार में दिखाई देते हैं, जिसमें ताकत के साथ समझदारी भी नजर आती है। ट्रेलर में सलमान की निजी जिंदगी की झलक भी दिखाई गई है। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह फिल्म में उनकी पत्नी की भूमिका निभा रही हैं। वह अपने पति को सैन्य मिशन पर भेजे जाने को लेकर चिंतित नजर आती हैं। इस दौरान सलमान उन्हें समझाते हैं कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर होने वाला आमना-सामना हमेशा गोलीबारी वाली लड़ाई नहीं होता। दोनों देशों के बीच हुए समझौतों का उद्देश्य सैन्य तनाव को बड़े युद्ध में बदलने से रोकना है। फिल्म में सैनिकों की जिंदगी और उनके परिवारों की भावनाओं को भी दिखाया गया है।

देश की सुरक्षा में तैनात जवानों के लिए ड्यूटी सबसे पहले होती है, लेकिन इसके साथ ही उनके परिवारों को भी कई तरह के भावनात्मक संघर्षों से गुजरना पड़ता है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि सैनिकों के लिए परिवार के साथ बिताया गया हर पल कितना कीमती होता है। सलमान खान अपने एक्शन अवतार में प्रभावशाली नजर आ रहे हैं।

अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने बच्चों के लिए अर्थपूर्ण फिल्में बनाने की अपील की

कहा- बालमन की जिज्ञासा को अपनाना जरूरी

मुंबई (यशभारत)। भारतीय सिनेमा की प्रतिभावान अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने बच्चों के मानसिक विकास और मनोरंजन के लिए विशेष रूप से बनाई जाने वाली फिल्मों की आवश्यकता पर बल दिया है। उनका मानना है कि लिटिल थॉमस जैसी फिल्में बच्चों के लिए बेहद महत्वपूर्ण और प्रासंगिक हैं, क्योंकि ऐसी कहानियां बाल दर्शकों को अपने खुद के व्यक्तिगत अनुभवों, मासूम भावनाओं और संवेदनाओं से सीधे तौर पर जोड़ने का अवसर प्रदान करती हैं। इस फिल्म में वे जेसी मिरांडा नामक एक माँ का मुख्य किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस प्रकार का सिनेमा बच्चों का स्वस्थ मनोरंजन करने के साथ-साथ उन्हें सवाल पूछने, रचनात्मक कल्पना करने और अपने आसपास की विशाल दुनिया को अपनी समझ के अनुसार परखने की पूरी आजादी देता है। बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण सिनेमा की जरूरत पर विस्तार से बात करते हुए रसिका दुग्गल ने कहा कि सिनेमा किसी भी व्यक्ति की दुनिया को विस्तार देने और उसकी कल्पनाशीलता को नई उड़ान देने का एक बेहद सशक्त माध्यम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इंसान के बड़े होने पर उसके मन में जो तमाम तरह के विचार और दृष्टिकोण विकसित होते हैं, उनका गहरा संबंध



अक्सर बचपन के दिनों में देखी गई फिल्मों और कहानियों से होता है। इसी वजह से फिल्म उद्योग को ऐसी कहानियों का निर्माण अधिक से अधिक करना चाहिए, जिनसे बच्चे खुद को भावनात्मक रूप से जोड़ सकें। उन्होंने कहा कि निर्माताओं को बच्चों की सहज जिज्ञासा को नजरअंदाज करने के बजाय उसे खुले दिल से अपनाना चाहिए। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि बच्चों के लिए बनाई जाने वाली फिल्में बिना हल्की-फुल्की या सतही हुए भी बेहद मनोरंजक हो सकती हैं। उन्होंने देश भर के फिल्म निर्माताओं से अपील की कि वे बाल दृष्टिकोण वाली ऐसी कहानियों की खोज करें और उन पर काम करें, जिन्हें बच्चे न केवल खुशी-खुशी देख सकें बल्कि वे कहानियां उनकी रचनात्मक कल्पना शक्ति के लिए नए-नए दरवाजे भी खोलें। कौशल ओझा के निर्देशन में बनी फिल्म लिटिल थॉमस 1990 के दशक के सुंदर राज्य गोवा की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह सात साल के मासूम बच्चे थॉमस और उसके परिवार के जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव को बड़ी ही खूबसूरती से दर्शाती है, जिसकी शैली दर्शकों को मालगुडी डेज और रस्किन बॉन्ड की अमर कहानियों की याद दिलाती है। फिल्म में गुलशन देवैया, रसिका दुग्गल और बाल कलाकार हृदांश पारेख ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।



रामायण देखकर निराश हुए नीतीश भारद्वाज, फिल्म की तारीफ वापस लेने का किया ऐलान

टीवी धारावाहिक महाभारत में भगवान कृष्ण की भूमिका निभाकर लोकप्रियता हासिल करने वाले अभिनेता नीतीश भारद्वाज फिल्म रामायण देखकर निराश हो गए हैं। उन्होंने फिल्म को लेकर पहले की गई अपनी तारीफवापस लेने की घोषणा की है। अभिनेता का कहना है कि रामायण केवल मनोरंजन की कहानी नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सभ्यतागत विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में इसके पात्रों और उनके मूल चरित्र को अपनी सुविधा के अनुसार बदलकर प्रस्तुत करना उचित नहीं है। नीतीश भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि रामायण भारतीय संस्कृति और चेतना में गहराई से बसी हुई है। इसके नायक, नायिका और खलनायक सभी के चरित्र इस महाकाव्य के मूल संदेश और नैतिक मूल्यों से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु ने धर्म की रक्षा, परंपराओं को बनाए रखने और मर्यादा की स्थापना के लिए राम अवतार लिया था। ऐसे में फिल्म में रावण को असाधारण रूप से उदार, सामाजिक रूप से न्यायप्रिय और निष्पक्ष दिखाना उन्हें पसंद नहीं आया। अभिनेता के मुताबिक, इस तरह का चित्रण रामायण के मूल नैतिक आधार को प्रभावित करता है। इससे भगवान राम के अवतार लेने के उद्देश्य और कहानी के मूल संदेश की महत्ता भी कमजोर हो सकती है।

दिवाली पार्टी में साथ दिखे हिना खान और राजन शाही

मुंबई (ईएमएस)। टीवी अभिनेत्री हिना खान और मशहूर निर्माता राजन शाही की एक तस्वीर इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। दिवाली पार्टी के दौरान दोनों एक ही फ्रेम में नजर आए और साथ में कैमरे के लिए पोज भी दिए। लंबे समय बाद दोनों को इस तरह साथ देखकर प्रशंसक हैरान हैं। तस्वीर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर सवाल उठने लगे हैं कि क्या दोनों के बीच सालों से चली आ रही नाराजगी अब खत्म हो गई है? यह तस्वीर राजन शाही की बेटी इशिका ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की है। इसमें हिना खान और राजन शाही के साथ कई अन्य लोग भी दिखाई दे रहे हैं। दोनों के एक साथ नजर आने पर कुछ प्रशंसकों ने खुशी जताई, जबकि कई लोग उनके रिश्तों में सुधार को लेकर सवाल पूछ रहे हैं। हालांकि, इस मुलाकात को लेकर अभी तक हिना या राजन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हिना खान और राजन शाही के बीच पुराने मतभेदों की चर्चा काफी



समय से होती रही है। हिना ने राजन शाही के लोकप्रिय धारावाहिक 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में अक्षरा का मुख्य किरदार निभाया था। करीब आठ साल तक इस शो का हिस्सा रहने के दौरान उन्होंने घर-घर में पहचान बनाई। बाद में हिना ने अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए शो छोड़ने का फैसला किया था। वर्ष 2024 में एक इंटरव्यू के दौरान हिना ने शो छोड़ने के अनुभव पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि वह शो के निर्माताओं का सम्मान करती हैं, लेकिन उनका शो से अलग होना अच्छे माहौल में नहीं हुआ था। उनके इस बयान के बाद पुराने विवाद ने फिर सुर्खियां बटोरी थीं। दूसरी ओर, राजन शाही ने भी एक इंटरव्यू में हिना के साथ हुए विवाद पर अपनी बात रखी थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि हिना शो की स्क्रिप्ट में काफी दखल देती थीं, जिससे सेट पर परेशानियां होती थीं। राजन के मुताबिक, एक बार हिना ने शिवांगी जोशी के किरदार नायरा के समर्थन में कुछ संवाद बोलने से इनकार कर दिया था। इसके बाद मेकर्स ने उनका कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया था और उन्हें सेट छोड़ने के लिए कहा गया था। अब दिवाली पार्टी की तस्वीर ने दोनों के पुराने विवाद को फिर चर्चा में ला दिया है। हालांकि, साथ में तस्वीर खिंचवाने से यह स्पष्ट नहीं होता कि उनके बीच मतभेद पूरी तरह खत्म हो गए हैं।

शराब कांड : 4 की मौत, 'माफिया राज' का आरोप, एसआईटी जांच की मांग

सागर, यशभारत। देवरी विधानसभा क्षेत्र के गौरझामर अंतर्गत डोम जैतपुर में अवैध शराब पीने से चार ग्रामीणों की मौत के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। जिला कांग्रेस कमेटी (सागर ग्रामीण) के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह मुहासा ने इस घटना को लेकर राज्य सरकार, स्थानीय प्रशासन और क्षेत्रीय विधायक पर तीखा हमला बोला है। मुहासा ने आरोप लगाया है कि पूरा सागर जिला शराब माफिया राज के हवाले कर दिया गया है।



जिला कांग्रेस अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह मुहासा ने एक बयान जारी कर कहा कि अभी बंडा शराब कांड के जख्म भरे भी नहीं थे कि जैतपुर में अवैध शराब ने चार परिवारों के चिराग बुझा दिए। उन्होंने कहा कि यह कोई सामान्य हादसा नहीं, बल्कि सत्ता के संरक्षण में फल-फूल रहे शराब माफिया द्वारा की गई 'सामूहिक हत्या' है। खातेगांव में थाना प्रभारी दिलीप पुरी गोस्वामी की मौत का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश और जिले में माफिया के हौसले बुलंद हैं। मुहासा ने यह भी आरोप लगाया कि केसली और गौरझामर में ग्रामीणों द्वारा 5 घंटे तक चक्का जाम करने के बाद ही प्रशासन की नींद टूटी।

कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

मुहासा ने जैतपुर और ईसुरवारा सहित जिले के प्रत्येक ब्लॉक में पुलिस और सत्ता के संरक्षण में अवैध शराब बिकने का आरोप लगाया। उन्होंने देवरी के स्थानीय विधायक बृज बिहारी पटेरिया पर निशाना साधते हुए प्रश्न किया कि जब जनता अपने परिजनों की मौत पर विलाप कर रही थी, तब वे वहां न्याय दिलाने गए थे या केवल भाषण देने। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते माफिया पर सख्ती की गई होती, तो आज चार लोगों की जान बच सकती थी। जिला कांग्रेस कमेटी ने इस पूरे प्रकरण में प्रशासन से चार प्रमुख मांगें की हैं जैतपुर शराब कांड की उच्च स्तरीय एसआईटी (स्ट्रक्ष) जांच कराई जाए तथा अवैध शराब विक्रेताओं के साथ उन्हें संरक्षण देने वाले पुलिस अधिकारियों और नेताओं पर भी हत्या का मुकदमा दर्ज हो।क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश न लगा पाने के कारण गौरझामर थाना प्रभारी को तत्काल पद से हटाया जाए।मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए।जैतपुर और ईसुरवारा सहित पूरे जिले में अवैध शराब के अड्डों पर दिखावटी छापेमारी के बजाय बुलडोजर कार्रवाई की जाए।



बेखौफ बदमाशः घर के पास ही युवक पर चाकू और हंसिया से ताबड़तोड़ वार

दमोह, यशभारत। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत धर्मपुरा में पीपल के पेड़ के पास एक युवक पर चाकू और हंसिया से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में राहुल सेन पिता भवानी सेन (28 वर्ष), निवासी धर्मपुरा गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों की मदद से तत्काल दमोह जिला अस्पताल पहुंचाकर भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली टीआई मनीष कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल युवक से अस्पताल में और घटनास्थल पर मौजूद स्थानीय लोगों से घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घायल युवक पर आधा दर्जन लोगों द्वारा हमला किए जाने का आरोप है। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने चाकू और हंसिया से वार कर राहुल सेन को गंभीर रूप से घायल कर दिया। फिलहाल घायल का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस मामले की जांच कर हमले के कारणों और आरोपियों की भूमिका की जानकारी जुटा रही है।

मतदाता सूचीः संक्षिप्त पुनरीक्षण 2027 के तहत प्रारूप प्रकाशन

मंडला, यशभारत। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के अंतर्गत जिले के सभी 1059 मतदान केंद्रों पर गुरुवार को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन किया गया। इस अवसर पर जिला योजना भवन के सभाकक्ष में अपर कलेक्टर श्रीमती सोनल सिडाम की अध्यक्षता में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक-सह-प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को प्रारूप प्रकाशित फोटोयुक्त मतदाता सूची की प्रति तथा बिना फोटो वाली मतदाता सूची की डीवीडी उपलब्ध कराई गई। प्रारूप मतदाता सूची पर 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत की जा सकेंगी। इनका निराकरण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा तथा मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन



4 जनवरी 2027 को होगा। बैठक में निर्वाचन अधीक्षक श्री अरूण कुशवाहा एवं श्री सीके तिवारी सहित मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि तथा मीडियाकर्मी उपस्थित थे।

8 नवीन मतदान केंद्र बनाए गए

मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण के बाद जिले में 8 नवीन मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। इनमें 6 केंद्र अधिक मतदाता संख्या तथा 2 केंद्र 2 किलोमीटर से अधिक दूरी के कारण बनाए गए हैं। इसके अलावा 12 मतदान केंद्रों के भवन परिवर्तित किए गए हैं तथा 4 केंद्रों में अनुभाग परिवर्तन किया गया है। इस प्रकार जिले में मतदान केंद्रों की संख्या 1051 से बढ़कर 1059 हो गई है। प्रारूप मतदाता सूची के अनुसार जिले में कुल 8,08,420 मतदाता हैं, जिनमें 3,99,922 पुरुष, 4,08,493 महिला तथा 5 अन्य मतदाता शामिल हैं। जिले का औसत लिंगानुपात 1021 है। विधानसभा क्षेत्रवार बिछिया में 2,67,723, निवास में 2,69,258 तथा मंडला में 2,71,439 मतदाता दर्ज हैं। जिले में 881 सेवा निर्वाचक, 80 वर्ष से अधिक आयु के 3,361 वरिष्ठ मतदाता, 18 से 19 आयु वर्ग के 12,999 युवा मतदाता तथा 10,799 दिव्यांग मतदाता पंजीकृत हैं। अपर कलेक्टर ने मतदाताओं से अपील की कि जिन पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं हैं, वे निर्धारित अवधि में नाम जोड़ने के लिए दावा प्रस्तुत करें। उन्होंने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से जिले के सभी 1059 मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने का भी आग्रह किया।



दिनदहाड़े 12 लाख की चोरी, उड़ाए सोने-चांदी के जेवरात

रीवा, यशभारत। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत नई बस्ती पड़रा में दिनदहाड़े चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। चोरों ने सूने आवास को निशाना बनाते हुए महज आधे घंटे के भीतर चोरी की घटना को अंजाम दिया। घर से करीब 12 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात चोरी होने की जानकारी सामने आई है। पीड़ित नागेंद्र सिंह ने घटना की शिकायत सिविल लाइन थाने में दर्ज कराई है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर घटना की जांच में जुट गई है। पुलिस चोरों की पहचान और उनकी तलाश के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल सकती है।

मंडला में कल सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

कक्षा आठवीं से स्नातक तक के छात्र ले सकेंगे हिस्सा; विजेताओं को मिलेंगे कुल 10,300 रुपए

मंडला, यशभारत। मंडला में बाल दिवस के अवसर पर कांग्रेस सेवा दल की ओर से विद्यार्थियों के लिए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसे लेकर कांग्रेस कार्यालय में प्रेस वार्ता हुई। इसमें जिला अध्यक्ष संतोष भल्लावी ने बताया कि प्रतियोगिता 15 नवंबर को गोंडी पब्लिक ट्रस्ट में आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थी उत्साहपूर्वक भाग ले सकेंगे।

नेहरू जयंती पर सभी जिलों में आयोजन

कांग्रेस सेवा दल के जिला अध्यक्ष ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 137वीं जयंती के



अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी के आह्वान पर प्रदेश के सभी जिलों में प्रतियोगिता कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसी के तहत प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव के नेतृत्व में मंडला में भी आयोजन किया जा रहा है।

तीन विजेताओं को मिलेगी नकद राशि

प्रतियोगिता में कक्षा 8वीं से लेकर स्नातक स्तर तक के विद्यार्थी शामिल हो सकेंगे। इसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 5100 रुपए, द्वितीय स्थान पर 3100 रुपए और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 2100 रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। प्रेस वार्ता में कांग्रेस सेवा दल के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाना और उनकी बौद्धिक क्षमता को प्रोत्साहित करना है। प्रतियोगिता में देश, प्रदेश, इतिहास, भूगोल, विज्ञान एवं समसामयिक विषयों से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। कांग्रेस सेवा दल ने जिले के अधिक से अधिक विद्यार्थियों से प्रतियोगिता में सहभागिता करने की अपील की है।

महाराजपुर और मंडला को जोड़ने वाले मुख्य पुल पर गड्ढे

नर्मदा पुल पर जगह-जगह गहरे गड्ढे, वाहन चालकों की बढ़ी मुसीबत; हादसों का बना खतरा

मंडला, यशभारत। मंडला और महाराजपुर को आपस में जोडऩे वाले नर्मदा नदी में बने मुख्य पुल की स्थिति इन दिनों बेहद जर्जर हो चुकी है। पुल पर बड़े-बड़े जानलेवा गड्ढे बन जाने के कारण यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि इन गड्ढों से बचने के चक्कर में रोजाना वाहन चालक हादसे का शिकार हो रहे हैं, जिससे क्षेत्र में कभी भी किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों ने बताया कि पुल पर बने इन गड्ढों का अंदाजा रात के समय या अचानक सामने आने पर नहीं लग पाता है। दोपहिया वाहन चालक इन गड्ढों से बचने का प्रयास करते समय संतुलन खो बैठते हैं और आए दिन दुर्घटनाग्रस्त होकर चोटिल हो रहे हैं। व्यस्त मार्ग होने के कारण इस पुल से प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहनों का



आना-जाना होता है, जिससे खतरा और अधिक बढ़ गया है। क्षेत्रीय नागरिकों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग की उदासीनता पर रोष व्यक्त किया है। लोगों का कहना है कि कई बार इस समस्या की ओर ध्यान आकर्षित कराने के बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। परेशान और चिंतित नागरिकों ने मंडला कलेक्टर से मांग की है कि वे इस मामले में व्यक्तिगत रूप से संज्ञान लें। नागरिकों का कहना है कि संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर पुल के इन गड्ढों की शीघ्र मरम्मत कराई जाए, जिससे आम जनता को सुगम और सुरक्षित आवागमन मिल सके और होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।

भीषण सड़क हादसा दो युवकों की मौत

निवास, यशभारत। निवास से बरेला मार्ग के बीच मनेरी पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोहानी में एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। दोनों युवक निवास क्षेत्र के ग्राम हरिसिंगोरी के निवासी थे। इस घटना से हरिसिंगोरी ग्राम में शोक व्याप्त हो गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार धर्मेंद्र परस्ते पिता लोक सिंह 28 वर्ष और नरबद यादव पिता छोटे लाल 25 वर्ष अपने रिश्तेदारी में ग्राम कोहानी बाइक से गए हुए थे। देर रात वे वापस लौट रहे थे तभी ग्राम कोहानी में ही हादसे का शिकार हो गए। यह घटना देर रात करीब 12 से 4 बजे के बीच हुई बताई जा रही है। सूनसान इलाका होने के कारण काफी समय तक किसी की नजर घायलों पर नहीं पड़ी। सुबह कुछ राहगीरों ने उन्हें देखा और तत्काल 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एम्बुलेंस की मदद से युवकों को निवास सीएचसी लाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। स्थानीय पुलिस घटना की जांच कर रही है ताकि दुर्घटना के कारणों का पता चल सके।

जनजातीय गौरव दिवस को लेकर भाजपा की प्रेसवार्ता

प्रत्येक विकासखंडों में होंगे भव्य कार्यक्रम, जिलेभर में 15 अलग-अलग स्वरूपों में आयोजित होंगी गतिविधियां

मंडला, यशभारत। जनजातीय गौरव दिवस को लेकर भाजपा कार्यालय में प्रेसवार्ता आयोजित की गई। इस दौरान प्रदेश की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उईके, मंडला सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज टेकाम, प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज मरकाम, जिला अध्यक्ष शिव पूषाम एवं सोशल मीडिया संयोजक शोभित रावत प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर जिलेभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि मंडला जिले के प्रत्येक विकासखंड में जनजातीय गौरव दिवस पूरे उत्साह और भव्यता के साथ मनाया जाएगा। इसके तहत जिले में 15 अलग-अलग स्वरूपों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य उद्देश्य जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपरा, संस्कृति, अस्मिता और महान जनजातीय नायकों के योगदान को जन-जन तक पहुंचाना तथा विशेष रूप से युवाओं को अपनी विरासत से जोड़ना है। बताया गया कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने वर्ष 2021 से 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने



की शुरुआत की। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2026 में भी 11 नवंबर से 18 नवंबर तक व्यापक स्तर पर जनजातीय गौरव सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसका मुख्य केंद्र 15 नवंबर को आयोजित होने वाला मुख्य कार्यक्रम रहेगा। प्रदेश स्तर पर 15 नवंबर को मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, वहीं प्रदेश के प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय आयोजन होंगे। इसके अंतर्गत मंडला जिले में 2 से 3 किलोमीटर सांस्कृतिक जुलूस निकाला जाएगा जिसका समापन विशाल रैली के रूप में होगा। पूरा आयोजन जनजातीय अस्मिता, लोककला, संस्कृति और समाज के समग्र विकास पर केंद्रित रहेगा। कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर 12 एवं 13 नवंबर को अनुसूचित जनजाति मोर्चा द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में बैठकें आयोजित की जाएंगी। इनमें जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री शामिल होकर कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करेंगे। वहीं 14 नवंबर को जनजातीय महानायकों की प्रतिमाओं एवं देवस्थलों पर स्वच्छता अभियान, दीप प्रज्वलन और लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में 16 एवं 17 नवंबर को जनजातीय छात्रावासों में विशेष संपर्क अभियान चलाकर जनजातीय युवाओं एवं विद्यार्थियों से सीधा संवाद स्थापित किया जाएगा। वहीं 18 से 20 नवंबर तक पूर्व एवं वर्तमान सांसद, विधायक तथा प्रदेश पदाधिकारी जनजातीय अंचलों में जनजाति गौरव चैपाल आयोजित कर समाज के लोगों से सीधा संवाद करेंगे। इसके अतिरिक्त प्रेसवार्ता में बताया गया कि जनजातीय समाज के पारंपरिक खेलों, लोकनृत्य, लोकगीत एवं सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए विशेष आयोजन किए जाएंगे। जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और महापुरुषों के जीवन संघर्ष एवं बलिदान की गाथाओं को भी प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रमों के माध्यम से भगवान बिरसा मुंडा, रानी दुर्गावती, टंट्या भील, शंकर शाह एवं रघुनाथ शाह जैसे महान जनजातीय नायकों के योगदान को याद किया जाएगा। जनजातीय समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों, युवाओं और समाजसेवियों को प्रोत्साहित करने के लिए भी विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के हाथों एकलव्य विद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान

उत्कृष्ट शैक्षणिक एवं संस्थागत कार्यों के लिए मध्यप्रदेश जनजातीय कार्य विभाग और एकलव्य विद्यालय मंडला सम्मानित

मंडला, यशभारत। जनजातीय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने एवं शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए मंडला जिले को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय मंडला को राष्ट्र स्तर पर उत्कृष्ट एकलव्य विद्यालय के रूप में सम्मानित किया। इसके साथ ही मध्यप्रदेश जनजातीय कार्य विभाग को भी एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के लिए उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मान प्रदान किया गया। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय मंडला का यह चयन भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा किए गए मूल्यांकन के आधार पर किया गया है। विद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं संस्थागत कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर यह उपलब्धि हासिल की है। समारोह में मध्यप्रदेश



की ओर से प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग एवं एमपी सरस की कार्यकारी समिति के अध्यक्ष श्री गुलशन बामरा ने पुरस्कार ग्रहण किया। वहीं मंडला जिले की ओर से कलेक्टर एवं एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय मंडला के अध्यक्ष श्री राहुल नामदेव धोटे तथा विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती रीना ने सम्मान ग्रहण किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों से संवाद भी किया। कार्यक्रम का आयोजन भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित जनजातीय गौरव पखवाड़ा के अंतर्गत किया गया।



स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. प्लांट 18 इंडस्ट्रियल एरिया रिछाई, जबलपुर से मुद्रित एवं चिलमन चौक डॉ. अम्बेडकर वार्ड मण्डला से प्रकाशित। संपादक अम्बरीष तिवारी*, सलाहकार संपादक श्याम कटारे RNI No. MPHIN/2013/56138.
फोन-(0761) 2643333 email - mandla@yashbharat.co.in (*पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)